दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -166 जबलपुर, रविवार 26 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

बवाल के आगे झुकी सरकार, धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

युवाओं के नाम लिखा पत्र,कहा- मैंने पहले दिन से ही इसपर जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली-(आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए साझा की। हाल के दिनों में छात्रों के बढ़ते विरोध प्रदर्शन और विपक्ष के लगातार हमले के बीच यह बड़ा फैसला सामने आया है। सोशल मीडिया पर जारी संदेश में उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं।

किंतु 3 मई 2026 को हुई की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई।

जंतर मंतर में छात्रों में जश्न

पहले ही दिन से, इसपर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आगे लिखा कि 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ। मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूं। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं

धर्मेंद्र प्रधान ने आगे लिखा कि पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दु:खी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है। देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है।

जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र (इस्तीफा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है।

मैं प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। साथ ही, मंत्रिपरिषद के अपने सभी सम्मानित सहयोगियों, मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी व्यक्तियों का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिनके साथ मुझे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं इसके लिए सदैव समर्पित रहूंगा। बता दें कि विपक्ष, विशेष रूप से राहुल गांधी, शिक्षा मंत्री की बर्खास्तगी और छात्रों की मांगों को लेकर सरकार पर हमलावर थे। धर्मेंद्र प्रधान के इस कदम के बाद अब शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी नए सिरे से सौंपे जाने की संभावना है।

केंद्र सरकार और सीजेपी के बीच बनी सहमति, सभी मांगें मानने के बाद सीजेपी ने वापस लिया आंदोलन

नई दिल्ली. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बीच हुई बैठक के बाद संगठन ने अपना आंदोलन तत्काल प्रभाव से खत्म करने का ऐलान कर दिया है. नई दिल्ली में हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार ने उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया है, इसलिए संगठन ने सद्भावना के आधार पर आंदोलन वापस लेने का फैसला किया है. सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में कहा कि सरकार ने उनकी मांगों पर भरोसा दिलाया है. इसके बाद उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर मौजूद सभी प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की है. सीजेपी के नेताओं के मुताबिक, संगठन की सबसे बड़ी मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के रूप में पूरी हो चुकी है. इसके अलावा सरकार ने प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज पुलिस मामलों को वापस लेने, भविष्य में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने और नीट पेपर लीक से जुड़े मामलों में आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को नियमों के तहत अधिकतम मुआवजा देने का आश्वासन दिया है. सौरव दास ने कहा, सरकार ने हमारी तीनों मांगें स्वीकार कर ली हैं. हम सभी प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे अपने-अपने घर लौट जाएं.

पीएम की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा किया मंजूर, प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय की कमान

नई दिल्ली. धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे के बाद प्रह्लाद जोशी को फिलहाल शिक्षा मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है. इसके साथ ही केंद्र सरकार ने वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है. राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर कर लिया है. साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी अपने मौजूदा मंत्रालयों के साथ-साथ अब शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे.प्रह्लाद जोशी फिलहाल केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और पहले से ही कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. अब उन्हें अतिरिक्त प्रभार के रूप में शिक्षा मंत्रालय भी सौंपा गया है. माना जा रहा है कि नए पूर्णकालिक शिक्षा मंत्री की नियुक्ति होने तक वही मंत्रालय का कामकाज देखेंगे.धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्रालय को लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं. हालांकि राष्ट्रपति भवन की घोषणा के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि मंत्रालय का कामकाज बिना किसी व्यवधान के जारी रहेगा. इससे पहले बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन भी धर्मेंद्र प्रधान के समर्थन में सामने आए थे. उन्होंने प्रधान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा था कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति समेत कई बड़े शिक्षा सुधारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. भाजपा ने भी स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र प्रधान ने व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए इस्तीफा दिया है और पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है.

कॉकरोच से पंगा न लें, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले अभिजीत दिपके, झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए

नई दिल्ली-(आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफ़ा दे दिया है। और यह इस्तीफ़ा इस बात का सबूत है कि अगर आप लोग डरते नहीं हैं, अगर आप लोग इस सरकार के सामने झुकते नहीं हैं, तो हम किसी का भी इस्तीफ़ा ले सकते हैं। दिपके ने कहा कि डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। यह लोकतंत्र है। उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया है, लेकिन हमारी दो और मांगें हैं। हम ऐसे ही नहीं जाएंगे। धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफ़ा दे दिया है। लेकिन जिन बच्चों ने आत्महत्या की, उनके परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवज़ा मिलना चाहिए। उन्हें यह मिलना चाहिए।

दिपके ने कहा कि उन सभी परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवज़ा। और दूसरी बात, 20 तारीख को जिन पुलिस वालों ने गुंडों जैसा बर्ताव किया, उन पुलिस अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई होनी चाहिए। याद रखें, कॉकरोच से पंगा न लें। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने के बाद समर्थकों को उत्साहपूर्वक संबोधित करते हुए अभिजीत दिपके ने कहा कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर नयी दिल्ली के जंतर मंतर समेत देशभर में जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा।

प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने लिखा कि जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर ध्यान केंद्रित करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है।भारतीय वायु सेना भर्ती

प्रधान ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के दिल्ली में जारी आंदोलन के मद्देनजर इस्तीफा दिया है। कॉजपा परीक्षा प्रणाली में सुधार, नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रदर्शन कर रही है और प्रधान का इस्तीफा उसकी प्रमुख मांगों में शामिल था।

भोपाल में खाकी शर्मसार! पुलिस के जवान ने साथी पुलिसकर्मी की नाबालिग बेटी से किया रेप, दूसरे ने बाहर दिया पहरा

भोपाल-(आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से कानून-व्यवस्था और खाकी को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (स्ञ्जस्न) में तैनात एक कॉन्स्टेबल ने अपने साथी पुलिसकर्मी की 17 वर्षीय दलित बेटी को धोखे से बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। हैरान कर देने वाली बात यह है कि इस वारदात के दौरान आरोपी का दूसरा पुलिसकर्मी साथी अपने तीन साल के मासूम बेटे को साथ लेकर घर के बाहर पहरा देता रहा। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी संतोष सेन, जो मध्य प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स में तैनात है, ने कथित तौर पर 22 जुलाई को एक परिचित के मोबाइल फोन से उस लड़की से संपर्क किया और उसे अपनी बेटी की बर्थडे पार्टी में बुलाया।

जहांगीराबाद पुलिस स्टेशन के स॥ह्र राजन सिंह अहिरवार ने बताया कि लड़की शाम करीब 6.30 बजे लाल परेड ग्राउंड के पास पहुंची, जहां सेन और उसका साथी जितेंद्र राजपूत, राजपूत के तीन साल के बेटे के साथ कार में उसका इंतज़ार कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि सेन ने लड़की का भरोसा जीता और फिर उसे स्ब्क नगर इलाके के एक घर में ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया। घटना के दौरान, राजपूत अपने बेटे के साथ घर के बाहर रहा और पहरा देता रहा। पुलिस ने यह भी बताया कि लड़की को उस जगह तक लाने के लिए इस्तेमाल की गई कार का इंतज़ाम राजपूत ने ही किया था। बाद में लड़की ने अपने परिवार को घटना के बारे में बताया, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई। टाइम्स ऑफ़ इंडिया% की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता, जिसका कथित तौर पर अपहरण कर रेप किया गया था, एक पुलिसकर्मी की बेटी है। पुलिस ने पहले कमला नगर पुलिस स्टेशन में ज़ीरो स्नह्लक्र दर्ज की और फिर आगे की जांच के लिए मामला जहांगीराबाद पुलिस स्टेशन को ट्रांसफर कर दिया। अहिरवार ने कहा, आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया और आज उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। ज़ीरो स्नह्लक्र पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र की परवाह किए बिना दर्ज की जाती है और बाद में संबंधित पुलिस स्टेशन को ट्रांसफर कर दी जाती है। संतोष सेन, जो हाल ही में भोपाल से धार ज़िले में शिफ्ट हुआ था, को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम , भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम% के तहत मामला दर्ज किया

कोरबा की कोल पिच कार्बन फैक्ट्री में बॉयलर विस्फोट के बाद भीषण आग, बाल-बाल बचे मजदूर

कोरबा. जिले के औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोल पिच कार्बन फैक्ट्री में शनिवार को बॉयलर में हुए जोरदार विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई. हादसे के समय फैक्ट्री में मौजूद मजदूरों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई. विस्फोट के कुछ ही देर बाद आग ने फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया.

जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर, स्पेशलिस्ट करेंगे इलाज

दुर्लभ जुड़वां बच्चों का जन्म, दोनों एक दूसरे के पेट से जुड़े

नरसिंहपुर.(आरएनएस)। एमपी के नरसिंहपुर जिला अस्पताल में शुक्रवार शाम एक दुर्लभ और जटिल प्रसव के दौरान आपस में जुड़े (कंजॉइंट) जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने सिजेरियन डिलीवरी कराई और प्राथमिक उपचार के बाद दोनों नवजातों को बेहतर इलाज के लिए तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया.

बम्होरी सोकलपुर निवासी कुब्जा कुशवाहा को प्रसव पीड़ा होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था. सिजेरियन ऑपरेशन से जन्मे दोनों बच्चों की शारीरिक संरचना आपस में जुड़ी देखकर परिजन और मेडिकल स्टाफ हैरान रह गया. दोनों एक दुसरे से पेट से जुड़े हैं. विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम जबलपुर में करेगी जांच जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बच्चों को जरूरी चिकित्सकीय देखभाल दी. दोनों नवजातों के शरीर आपस में जुड़े होने के कारण संभावित पृथक्कीकरण (सेपरेशन) सर्जरी और विस्तृत जांच के लिए उन्हें जबलपुर भेजा गया है, जहां विशेषज्ञ सर्जनों की टीम आगे का इलाज तय करेगी.

एमपी के राजगढ़ में दर्दनाक हादसा

भीलखेड़ी जोड़ के पास अनियंत्रित होकर डेम में गिरी कार, पांच लोगों की मौत

राजगढ़।(आरएनएस)। राजगढ़ जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। शुजालपुर के समीप भीलखेड़ी जोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डेम में जा गिरी। हादसे में कार सवार अरन्या गांव के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू अभियान चलाकर कार को डेम से बाहर निकाला गया। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार शुजालपुर की ओर जा रही थी। भीलखेड़ी जोड़ के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार सीधे डेम में जा गिरी। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस मृतकों की पहचान और हादसे के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले सोनम वांगचुक- लोकतंत्र की जीत, अब जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ो

नई दिल्ली-(आरएनएस)। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र की जीत बताया और देश से जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ने का आग्रह किया। प्रधान ने शनिवार को अपने इस्तीफ़े की घोषणा करते हुए कहा कि यह फ़ैसला छात्रों के भविष्य की रक्षा करने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं के बड़े विरोध-प्रदर्शन का फ़ायदा उठाने की कोशिश कर रही राष्ट्र-विरोधी ताक़तों को रोकने के मकसद से लिया गया

डिप्टी जेलर की शिकायत महंगी पड़ी, सतना केंद्रीय जेल में विचाराधीन बंदी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

सतना(आरएनएस)। केंद्रीय जेल सतना में बंद विचाराधीन बंदी मन्नू उर्फ मनोज सिंह (40) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

जेल प्रशासन के अनुसार तबीयत बिगड़ने पर गुरुवार रात उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां रात 11ः36 बजे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजनों और अधिवक्ता ने मौत को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक के अधिवक्ता सत्येंद्र चौहान के अनुसार, मनोज आदतन अपराधी था और वर्ष 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने तत्कालीन डिप्टी जेलर फिरोज खातून के खिलाफ मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद तत्कालीन जेल अधीक्षक ने मनोज को बुलाकर शिकायत का कारण पूछा था।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना पाटन में रात प्रवेश सिंह लोधी उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम बजरंग गढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह दानीबाबा पेट्रोल पम्प पिपरिया कला में काम करता है शाम लगभग 6-20 बजे वह रिश्ते के नाना प्रताप सिंह लोधी निवासी तारादेही पौड़ी जिला दमोह के साथ मोटर सायकल से पिपरिया कला पेट्रोल पम्प जा रहा था वह मोटर सायकल चला रहा था नाना पीछे बैठे थे जैसे ही हम लोग ग्राम माला के आगे पुल के पास पहुँचे तभी ग्राम पिपरिया के तुलसी लोधी एवं किशनिया लोधी खड़े थे, जो उसे देखकर मोटर सायकल के आगे मोटर सायकल लगाकर रास्ता रोक लिये तुलसी लोधी हाथ में राईजर पाईप लिये था

निगमायुक्त ने स्वच्छता चौपाल के माध्यम से सफाई मित्रों को स्वच्छता से लोगों को जोड़ने किया आह्वान

सफाई मित्र नगर निगम के असली ब्रांड एंबेसडर - निगमायुक्त

सहज संवाद और व्यवहार से बदली शहर की तस्वीर -निगमायुक्त द्वारा सफाई मित्रों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 की दी गई जानकारी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाने की दिशा में एक नई पहल करते हुए नगर निगम द्वारा सफाई मित्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सफाई मित्रों से सीधा संवाद किया और उनके कार्य की सराहना करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

निगमायुक्त ने कहा कि सफाई मित्र केवल कचरा उठाने वाले नहीं, बल्कि नगर निगम के वास्तविक प्रतिनिधि हैं। जब वे फील्ड में उतरते हैं, तो उनकी छवि ही पूरे निगम की छवि को दर्शाती है। उन्होंने निर्देश दिया कि सफाई मित्र नागरिकों से मित्रवत और सम्मानजनक संवाद स्थापित करें, ताकि शहरवासी स्वच्छता को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझ सकें।

स्वच्छता चौपाल से घर-घर पहुंचेगा स्वच्छता का संदेश

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि वार्ड स्तर पर %स्वच्छता चौपाल% का आयोजन किया जाए। इन चौपालों के माध्यम से स्थानीय लोगों, व्यापारियों और जनसामान्य के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने और स्वच्छता रैंकिंग में शहर को आगे ले जाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रति किया जागरूक

प्रशिक्षण सत्र में सफाई मित्रों को अद्यतन हुए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रमुख बिंदुओं और वैज्ञानिक निष्पादन तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सफाई मित्रों को कचरे का स्त्रोत पर ही पृथक्करण, डोर-टू-डोर कलेक्शन को अधिक प्रभावी बनाने और सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने की बारीकियों से अवगत कराया गया।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सफाई मित्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए उन्हें कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों ग्लोव्स, मास्क, जैकेट आदि का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नागरिकों के साथ आत्मीय और मित्रवत व्यवहार से न केवल कचरा प्रबंधन आसान होगा, बल्कि शहर में स्वच्छता के प्रति एक नया जन-आंदोलन खड़ा होगा।

कार्यक्रम में नगर निगम के अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव,स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

राइट टाउन स्टेडियम परिसर में सफाई में लापरवाही पर अनुबंधित एजेंसी पर लगा रु.5,000 का स्पॉट फाइन

निगमायुक्त ने राइट टाउन स्टेडियम और गोहलपुर पुलिया निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज गोहलपुर पुलिया निर्माण कार्य के निरीक्षण के साथ राइट टाउन स्टेडियम का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सार्वजनिक एवं खेल परिसरों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं जन-उपयोगी बनाए रखने के उद्देश्य से निरंतर सघन निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग अभियान चलाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान स्थल पर गंदगी एवं सी.एन.डी. मटेरियल पाए जाने पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर परिसर की सफाई हेतु अनुबंधित एजेंसी %कौन्तेय वेंचर्स% के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए मौके पर ही ?5,000/- रुपये पांच हजार मात्र का स्पॉट फाइन वसूल किया गया। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि खेल परिसरों की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। दायित्वों के प्रति लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्यवाही जारी रहेगी, ताकि खिलाड़ियों एवं नागरिकों को एक स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण प्राप्त हो सके।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का आगमन आज

जबलपुर। विधानसभा सत्र में शामिल होने के पश्चात मप्र शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह का आज शनिवार 25 जुलाई को देर रात भोपाल से जबलपुर आगमन होगा। मंत्री श्री सिंह कल रविवार 26 जुलाई को प्रातः 11 बजे महाकौशल कॉलेज में प्रधानमंत्री जी के ममन की बात कार्यक्रम को श्रवण करेंगे, प्रातः 11॰30 बजे महाकौशल कॉलेज में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित सेवा एवं सुशासन के 12 साल एवं कारगिल विजय गाथा पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे,

भाजपा कार्यकर्ता महानगर के सभी 1041 बूथों में सुनेंगे प्रधानमंत्री के ''मन की बात'' कार्यक्रम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के कार्यकर्त्ता शहर के सभी 1041 बूथों में कल रविवार 26 जुलाई को प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुनेंगे। मन की बात प्रभारी श्री राजेश मिश्रा ने बताया ''मन की बात'' कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह एवं विधायक श्री अशोक रोहाणी अटल बिहारी मंडल अंतर्गत महाकौशल कॉलेज के पास बूथ 134 में, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर मुखर्जी मंडल के बूथ 186 में, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन एवं प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू अटल बिहारी मंडल के बूथ 132 में, विधायक श्री अभिलाष पांडे दीनदयाल मंडल के बूथ 213 में, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू कुशाभाऊ ठाकरे मंडल के बूथ 78 में, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन रानी दुर्गावती मंडल के बूथ 77 में, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज गिरिराज किशोर कपूर मंडल के बूथ 164 में, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया छत्रपति शिवाजी मंडल के बूथ 155 में, निशक्तजन कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक चंद्रशेखर आज़ाद मंडल के बूथ 97 में, पूर्व मंत्री श्री शरद जैन दीनदयाल उपाध्याय मंडल के बूथ 199 में, पूर्व मंत्री श्री अंचल सोनकर सुभाषचंद्र बोस मंडल के बूथ 54 में, पूर्व मंत्री श्री हरेंद्रजीत सिंह बब्बू नर्मदा मंडल के बूथ 132 में, पूर्व महापौर श्री प्रभात साहू आचार्य विधासागर मंडल के बूथ 86 में, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले भगत सिंह मंडल के बूथ 58 में एवं सभी जिला पदाधिकारी अलग अलग बूथों में क्षेत्रीय जनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुनेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने सभी पार्टी पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओ से अपने अपने बूथ पर आमजन के साथ प्रधानमंत्री जी के ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुनने की अपील की है।

डब्ल्यू. एस. ई. सी. हाई स्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन जबलपुर मंडल द्वारा संचालित शाला डब्ल्यू. एस. ई. सी. हाई स्कूल में शनिवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला कल्याण संगठन पश्चिम मध्य रेल मंडल की अध्यक्षा श्रीमती पूनम खत्री तलरेजा, विशेष अतिथि डॉ प्रीति दीक्षित, स्कूल प्रभारी श्रीमती मरियम खान व श्रीमती दर्शिता श्रीवास्तव मैम ने विद्यालय के प्रांगण में वृक्षारोपण किया वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत विद्यालय की छात्रा अवनी धनोपिया व अन्य छात्र-छात्राओं के द्वारा सुंदर गीत प्रस्तुत किया गया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए छात्र-छात्राओं ने मॉडल के द्वारा पेड़ों के महत्व को दर्शाया पेड़ के बिना जीवन संभव नहीं ग्लोबल वार्मिंग के मॉडल प्रदर्शित किए गए छात्र-छात्राओं द्वारा स्लोगन के माध्यम से पेड़ों का महत्व व उपयोगिता बताई गई। छात्रों को वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए अध्यक्षा श्रीमती पूनम खत्री तलरेजा जी ने प्रेरक भाषण दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पेड़ों का हमारे जीवन में क्या महत्व है बताना है।

नगर कांग्रेस कमेटी ने कहा - छात्रों के साथ न्याय की जीत

नीट पेपर लीक पर देशव्यापी आक्रोश॰ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। /नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर के छात्रों में फैले भारी आक्रोश और लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नगर कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रिजवान अली कोटी व छात्रनेता शफी खान ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह इस्तीफा लाखों छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों की जीत है। पेपर लीक की वजह से लाखों मेहनती छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया था। सरकार की लापरवाही और नाकामी के कारण शिक्षा व्यवस्था पर से जनता का भरोसा उठ गया था। प्रवक्ता रिजवान अली कोटी,शफी खान ने कहा कि छात्र सड़क पर उतरकर अपने हक की लड़ाई लड़ रहे थे। सरकार पहले इस मुद्दे को दबाने में लगी थी, लेकिन जब देशभर का युवा एकजुट हुआ तो मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। यह साबित करता है कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने से सरकार को झुकना पड़ता है। हम मांग करते हैं कि हृश्वश्वञ्ज की ष्टक्चढ्ढ जांच कराकर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। कांग्रेस कमेटी ने यह भी मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों इसके लिए परीक्षा प्रणाली में ठोस और पारदर्शी सुधार किए जाएं। शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखकर छात्रों के भविष्य को सुरक्षित किया जाए।

3,000 लीटर डीज़ल के धुएँ की जगह केवल जलवाष्प का उत्सर्जन ॰ भारत की हाइड्रोजन ट्रेन की कहानी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को 17 जुलाई, 2026 को दिल्ली क्षेत्र में जींद-सोनीपत रेलखंड पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अब तक यह ट्रेन 1,200 किलोमीटर से अधिक की सफल यात्रा पूरी कर चुकी है, जिससे 3,200 लीटर से अधिक डीज़ल की बचत हुई है। यह हाइड्रोजन ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली उत्पन्न करती है। इस प्रक्रिया से ट्रेन को चलाने के लिए आवश्यक विद्युत ऊर्जा प्राप्त होती है तथा उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है। इसमें न धुआँ निकलता है और न ही टेलपाइप से कार्बन उत्सर्जन होता है, जिससे यह वर्तमान में उपलब्ध रेल प्रणोदन की सबसे स्वच्छ तकनीक बन जाती है। यह परियोजना भारतीय रेल के नेतृत्व में विकसित एक पूर्णतः स्वदेशी पहल है। 10 कोच वाली इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो संयुक्त रूप से 2,400 किलोवाट शक्ति प्रदान करती हैं। इसके साथ लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियाँ तथा हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाए गए हैं। इस परियोजना के तहत जींद में भारतीय रेल की पहली समर्पित हाइड्रोजन भंडारण सुविधा स्थापित की गई है। यहाँ 500 क्क्चड्ड तक के दाब पर ग्रीन हाइड्रोजन का भंडारण तथा 350 क्क्चड्ड के दाब पर ईंधन भरने की व्यवस्था है। इस सुविधा की कुल भंडारण क्षमता लगभग 3,000 किलोग्राम है।

ट्रेन में सुरक्षा के लिए अनेक स्वतंत्र प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जो हाइड्रोजन रिसाव, अधिक तापमान, आग और धुएँ का स्वतः पता लगाती हैं। इनके साथ स्वचालित शट-ऑफ सिस्टम, निरंतर वेंटिलेशन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का अनुपालन तथा सभी अनिवार्य परीक्षण और सत्यापन भी सुनिश्चित किए गए हैं। जींद-सोनीपत रेलखंड पर सफल परिचालन के बाद जल्द ही इसका परीक्षण दिल्ली मार्ग पर भी प्रारंभ किया जाएगा। भारत की हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वदेशी हाइड्रोजन रेल इकोसिस्टम की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना सतत, शून्य-उत्सर्जन (द्गह्लश्च श्वद्वद्बह्यह्यद्बशठ्ठ) रेल परिवहन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है तथा भविष्य में इसके व्यापक विस्तार और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की मजबूत आधारशिला रखती है।

हाजी सलीम मऊगंज के प्रभारी बने

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा जबलपुर के युवा नेता समाजसेवी हाजी मुहम्मद सलीम खान को मऊगंज जिले का प्रभारी मनोनीत किया गया है.

हाजी सलीम मऊगंज में अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष के लिए तीन नामों का पैनल पार्टी हाईकमान को सौंपेंगे. इन तीन नामों में से ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी? उक्त नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम व प्रदेश प्रभारी आबिद कागज़ी की सहमति से की गयी है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता समाजसेवी हाजी मुहम्मद कदीर सोनी, अशरफ मंसूरी, शादाब अंसारी, शाकिर हुसैन कुरैशी, शमीम अंसारी गुडडू आदि ने हाजी सलीम को बधाई दी है.

गतवर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक राजस्व

प्रथम तिमाही में टिकट चैकिंग से 44 करोड़ 20 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 5 लाख 59 हजार मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 44 करोड़ 20 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

यह राशि पिछले वर्ष इसी अवधि में वसूले गए 40 करोड़ 71 लाख रुपये के जुर्माने की तुलना में 8.57 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में मुख्यालय एवं मंडलों पर परफॉरमेंस इस प्रकार रहा ॰-

मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड॰ मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 9 हजार मामलों से 63 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। जबलपुर मंडल॰ टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 2 लाख 54 हजार मामलों से 21 करोड़ 78 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। भोपाल मंडल॰ टिकट जांच के दौरान 1 लाख 89 हजार मामलों से 13 करोड़ 75 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।

कोटा मंडल॰ टिकट निरीक्षकों ने अभियान के दौरान 1 लाख 7 हजार मामलों से 8 करोड़ 4 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

सांदीपनि विद्यालय करौंदीग्राम में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सांदीपनि विद्यालय करौंदीग्राम में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को एक पेड़ गुरु के नाम विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पौधे रोपे।

इस अवसर पर बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों और शिक्षकों की भी उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। प्राचार्य जी पी झारिया की प्रेरणा से आयोजित इस अभियान में सभी ने मिलकर परिसर में विभिन्न् प्रकार के पौधे लगाए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग रहा। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को वृक्षों का महत्व बताते हुए उनकी देखभाल करने की शपथ दिलाई। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2026-27/.... दिनांक- 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री सूजल बंशकार, पिता- शिव चरण बंशकार** ने भवन/ क्रमांक 1179/2 प्रेम सागर, सम्पति कर आई.क्रं. 1004362464 **वार्ड राधा कृष्णन, 58 वार्ड,** क्षेत्रफल 891 व.फु., भूतल 300 व.फु., **शपथ पत्र, विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन/ क्रमांक 1179/2 प्रेम सागर, पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-08 भानतलैया नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 165/ 2026-27 - दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री विश्वजीत मोइत्रा, पिता स्व. श्री अमल कुमार मोइत्रा** ने भवन क्रं. 1236/6 पिन क्र. 1000374204 **वार्ड क्र. 68, वार्ड गोकलपुर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री अमल कुमार मोइत्रा, भूतल 706 व.फु. सी.सी., **पारिवारिक व्यवस्था पत्र, आधार कार्ड, सहमति शपथ पत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में **काबिज नामातंरण** हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 164/ 2026-27 - दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री सत्यजीत मोइत्रा, पिता स्व. श्री अमल कुमार मोइत्रा** ने भवन क्रं. 1236/6 पिन क्र. 1000374204 **वार्ड क्र. 68, वार्ड गोकलपुर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री अमल कुमार मोइत्रा, भूतल 450 व.फु. सी.सी., **पारिवारिक व्यवस्था पत्र, आधार कार्ड, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में **काबिज नामातंरण** हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

भोपाल-लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग का प्रत्येक निर्माण कार्य केवल सड़क, पुल अथवा फ्लायओवर का निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास, जनता की सुविधा और विश्वास की मजबूत नींव है। विभाग का मूल उद्देश्य फ्रलोक निर्माण से लोक कल्याणफ्र की भावना को साकार करना है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, समयबद्धता, पारदर्शिता और जवाबदेही ही विभाग की कार्यसंस्कृति का आधार हैं तथा इन्हीं मानकों के अनुरूप प्रत्येक परियोजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह शुक्रवार को वल्लभ भवन में सेतु निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री सुखवीर सिंह, विभाग के वरिष्ठ अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, अन्य विभागीय अधिकारी तथा विभिन्न निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री सिंह की जयंती पर किया नमन- मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में अर्पित की पुष्पांजलि

राजनीति का उद्देश्य समाज कल्याण है, नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविन्द नारायण सिंह से सेवा और समर्पण की लेनी चाहिए सीख - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह की जयंती पर शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह के परिजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता पाना नहीं, समाज का कल्याण करना है। आज की नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह के जीवन से सेवा, समर्पण और नैतिकता की सीख लेनी चाहिए। वे बेहद सरल जीवन और सहज व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे। जनता से उनका सीधा संवाद उनकी सबसे बड़ी शक्ति था। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों और सामान्य नागरिकों की समस्याओं को निकट से समझा। ऐसे व्यक्तित्व सदैव समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी कार्यशैली आज भी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह का जीवन युवाओं को ईमानदारी, संघर्ष और राष्ट्र सेवा का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि श्री गोविन्द नारायण सिंह वर्ष 1967 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब प्रदेश की राजनीति एक नए दौर से गुजर रही थी। उन्होंने प्रशासन में जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया. लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने की दिशा में कार्य किया। उनका कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह की जयंती पर हम सभी उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। प्रदेश में जनकल्याण, सुशासन और सतत् विकास के मार्ग पर लगातार आगे बढ़ना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह का जन्म 25 जुलाई 1920 को रामपुर बघेलान में हुआ था। एम.ए., एलएलबी. तक शिक्षा ग्रहण कर उन्होंने अपने सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन प्रारंभ किया। उन्होंने चतुर्थ विधानसभा (1967-1972) में 30 जुलाई 1967 से 12 मार्च 1969 तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास को एक नई दिशा दी थी। श्री सिंह का 10 मई 2005 को देहावसान हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह राज्य में तत्कालीन संविद सरकार की राजनीति के केंद्र बिंदु थे। वे रीवा के निवासी थे। उन्होंने सादगी, निष्पक्षता के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई थी। पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज उनकी जयंती के अवसर पर हम सभी उनका स्मरण कर रहे हैं। श्री सिंह ने राजमाता सिंधिया के कार्यकाल में जनता की आवाज बनकर यह भरोसा दिलाया था कि पक्ष हो या विपक्ष, अब राजनीति में बदलाव का समय है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह प्रदेश की राजनीति में लोकतांत्रिक परंपरा की मिसाल बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों की जयंती और पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम कराने की उत्कृष्ट पहल की है।

छात्रावास में स्वास्थ्य शिविर- 27 छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण , निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया

गोटेगांव प्रतिनिधि- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास बरहटा में छात्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ. नंदकिशोर महलवार ने 27 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

परीक्षण के दौरान आवश्यकतानुसार छात्रों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। साथ ही डॉ. महलवार ने विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु में फैलने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित आहार एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को समय पर उपचार कराने और किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की समझाइश भी दी।

स्वास्थ्य शिविर के दौरान छात्रावास का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा और स्वास्थ्य परीक्षण कार्य में सहयोग किया। शिविर का उद्देश्य छात्रों के बेहतर स्वास्थ्य के साथ-साथ उन्हें मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में ओरछा हेरिटेज विजन के क्रियान्वयन के लिए स्टेट लेवल कमेटी का गठन

भोपाल (आरएनएस)। राज्य शासन द्वारा ओरछा हेरिटेज विज़न के अनुरूप परियोजनाओं की कॉनफॉर्मिटी सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से हेरिटेज इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लानके क्रियान्वयन, वर्तमान एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता स्टेट लेवल कमेटी का गठन किया है।

उल्लेखनीय है कि ओरछा को वर्ष 2027-28 के वर्ल्ड हेरिटेज साइकिल के अंतर्गत यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए नोमिनेशन डोजियर का निर्माण कार्य प्रचलन में है। आईकॉमोस द्वारा फरवरी 2027 में प्रीलिमिनरी असेसमेंट के दौरान यह अनुशंसा की गई थी कि संबंधित धरोहर संपदा के मैनेजमेंट फ्रेमवर्क को इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान और संबंधित क्षेत्रीय योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन से सुदृढ़ किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव संस्कृति, नगरीय विकास एवं आवास, प्रमुख सचिव वन, लोक निर्माण, आयुक्त, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, कलेक्टर निवाड़ी, क्षेत्रीय निदेशक (मध्य क्षेत्र), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (आइएएस) सदस्य होंगे। सचिव पर्यटन को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। समिति द्वारा आवश्यकतानुसार विशेष आमंत्रित के रूप में विषय विशेषज्ञ एवं सलाहकार नियुक्त किए जा सकते हैं। कमेटी को सभी संबंधित विभागों की प्रचलित एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा कर यह सुनिश्चित करना है कि वे हेरिटेज इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान के अनुरूप एवं उसके अनुपालन में हों।

कमती इमलिया के पास हुआ भीषण हादसा, दो ने मौके पर तोड़ा दम, तीसरे की अस्पताल ले जाते समय मौत; कोरेगांव पिपरसरा के रहने वाले थे मृतक

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंदा, तीन युवकों की दर्दनाक मौत

गोटेगांव प्रतिनिधि- गोटेगांव थाना क्षेत्र के कमती इमलिया के पास शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने भी दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि तीनों मृतक गोटेगांव क्षेत्र के कोरेगांव पिपरसरा गांव के निवासी थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही गोटेगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है तथा ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

गोटेगांव में विकास परियोजनाओं पर कलेक्टर की सख्ती- एसटीपी प्लांट और बकतला तालाब का किया निरीक्षण, तय समय में काम पूरा करने के निर्देश

अमृत 2.0 के तहत विकसित हो रहे बकतला तालाब की प्रगति पर जताई चिंता; अतिक्रमण हटाने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की चेतावनी

गोटेगांव प्रतिनिधि- जिले की कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को गोटेगांव पहुंचकर शहर की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का जायजा लेते हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों व कार्यदायी एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। साथ ही गुणवत्ता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए कार्य में तेजी लाई जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अमृत योजना 2.0 के तहत विकसित किए जा रहे बकतला तालाब का भी अवलोकन किया। उन्होंने शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि परियोजना की गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने और निर्धारित अवधि में परियोजना पूरी कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बकतला तालाब के आसपास हुए अतिक्रमण का भी संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि जलाशयों और जल संरचनाओं का संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जल संरक्षण से जुड़ी सभी योजनाओं को गंभीरता, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाए, ताकि आम नागरिकों को इन परियोजनाओं का जल्द से जल्द लाभ मिले।

एक गुरु-एक वृक्ष अभियान के अंतर्गत प्रदेश भर में 40 हजार से अधिक पौधों का हुआ रोपण

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को 'एक गुरुङ्कएक वृक्ष' अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में 40 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं के सम्मान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।

विद्यालय परिसरों एवं आसपास आयोजित पौधरोपण कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अभियान के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के सम्मान के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश भी प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया।

उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के शासकीय स?कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन और गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का आयोजन किया गया है। विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, नैतिक मूल्यों एवं गुरु के प्रति आदर की भावना से जोड़ने के साथ-साथ विद्यालयों में संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को भी प्रोत्साहित किया जायेगा।

आस्था का महासागर- भगवान जगन्नाथ अपने धाम लौटे, श्रीनगर में उमड़ा जनसैलाब; हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

गोटेगांव प्रतिनिधि- गोटेगांव/श्रीनगर। नरसिंहपुर जिले की गोटेगांव तहसील के श्रीनगर में शनिवार को आस्था, परंपरा और संस्कृति का ऐसा विराट संगम देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। नौ दिनों तक मौसी के घर विराजमान रहने के बाद भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथयात्रा के साथ अपने धाम लौटे। जैसे ही भगवान का रथ निकला, फ्रजय जगन्नाथफ्र के गगनभेदी जयघोष से पूरा श्रीनगर गूंज उठा और हजारों श्रद्धालु रथ की रस्सी थामने उमड़ पड़े।

सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और महाआरती के बीच भगवान का आकर्षक श्रृंगार किया गया। रंग-बिरंगे पुष्पों और पारंपरिक वेशभूषा से सुसज्जित भगवान के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाएं पूजा की थाल लेकर पहुंचीं, बच्चे उत्साह से झूमते नजर आए और बुजुर्ग श्रद्धा में भावविभोर दिखाई दिए।

रथयात्रा से पहले पूरे मार्ग को फूलों, ध्वज-पताकाओं और पारंपरिक सजावट से सजाया गया। घर-घर रंगोलियां बनाई गईं। जैसे ही भगवान का रथ आगे बढ़ा, ढोल-नगाड़ों की गूंज, शंखध्वनि और भजन-कीर्तन के बीच पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में डूब गया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ रथ खींचा। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का रथ खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

रथयात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया। आरती उतारी गई और प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर पहुंचने के बाद भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक सात परिक्रमा कराई गई। श्रद्धालुओं ने क्षेत्र में अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए भगवान के चरणों में शीश नवाया।

इस अवसर पर परमहंसी गंगा आश्रम से पधारे अनेक संतों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी आध्यात्मिक बना दिया। संतों के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने धर्म, सेवा और मानवता का संदेश ग्रहण किया। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस रथयात्रा को ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के मार्गदर्शन में विशेष स्वरूप प्राप्त हुआ था। आज भी उसी परंपरा और विधि-विधान के साथ यह आयोजन पूरे श्रद्धाभाव से संपन्न कराया जाता है। रथयात्रा के साथ लगे पारंपरिक मेले में भी दिनभर रौनक बनी रही। खिलौनों, मिठाइयों और घरेलू सामान की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी। बच्चों के चेहरों पर उत्साह, महिलाओं की श्रद्धा और परिवारों की खुशियां इस धार्मिक आयोजन को एक सामाजिक उत्सव का स्वरूप देती रहीं। भगवान जगन्नाथ के अपने धाम लौटने के साथ नौ दिनों तक चला यह भव्य धार्मिक उत्सव संपन्न हो गया। वर्षों से चली आ रही श्रीनगर की यह रथयात्रा आज क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी यह संदेश देती है कि आस्था, परंपरा और संस्कृति की डोर आज भी समाज को एकजुट रखने की सबसे बड़ी शक्ति है।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

जैसा रास्ता, वैसी मंजिल!

वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति औसत आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है, जिससे वे उच्च मध्यम आय वर्ग में पहुंच गए हैं। भारत अभी इस मंजिल से कोसों दूर है। विश्व बैंक ने बीते हफ्ते वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन को उच्च-मध्यम आय वर्ग वाली देशों की श्रेणी में डाल दिया, जबकि जाहिर हुआ कि भारत अभी इस मंजिल से बहुत दूर है। सबसे तेजी से उठती अर्थव्यवस्था और विकसित भारत की कहानियों में यकीन करने वाले समूहों में इस खबर से बड़ी बेचैनी देखी गई है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर देशों की श्रेणी बनाता है। 1,176 से 4,635 डॉलर प्रति व्यक्ति औसत आय वाले देशों को निम्न मध्य आय वर्ग में रखा जाता है। वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है। जबकि भारत अभी 2,760 डॉलर तक ही पहुंच पाया है। अपने यहां सबसे ज्यादा व्यग्रता इस तथ्य से पैदा हुई है कि वियतनाम भारत के दो साल बाद यानी 2009 में निम्न मध्यम वर्ग आय श्रेणी में पहुंचा था। उसके 17 साल बाद वह अगली श्रेणी में जा पहुंचा है। जबकि डेमोग्रैफिक डिविडेंड, बड़े उपभोक्ता बाजार और दूरदर्शी नेतृत्व आदि जैसी कथाओं में खोये भारत के सामने मिडल इनकम ट्रैप में फंसे रह जाने की परिस्थिति आ खड़ी हुई है। यहां जानबूझ कर निर्मित निराधार कहानियों ने मानव विकास की उपेक्षा, अनुसंधान एवं विकास की अनदेखी, कारोबार के रास्ते में मौजूद रुकावटों से बेपरवाही तथा आर्थिक और वित्तीय शक्तियों के कुछ घरानों में केंद्रित होते चले जाने की हकीकत पर परदा डाले रखा है। दूसरी तरफ वियतनाम ने प्रशिक्षित श्रमिक वर्ग तैयार किया, जिससे 'चाइना+1' का दौर आने पर उसका लाभ उठाने में वह सफल हुआ।

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

भौगोलिकसंदर्भ

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में 卐डबल इंजन सरकार卐 बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई %सतलुज% फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और %अकाली दल% तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी,

जेनरेशन-ज़ेड ने हिलाई लुटियंस दिल्ली

श्रुति व्यास

मैंने सोमवार सुबह यह गलत लिखा कि भारत की जेनरेशन-ज़ेड राजनीति से उदासीन है, डरपोक तरुणाई है और व्यवस्थापरस्त है। लेकिन सोमवार को ही नई दिल्ली की लुटियंस दिल्ली की सड़कों ने मेरा भ्रम चकनाचूर कर दिया। चार-चार परतों वाली बैरिकेडिंग, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली-त्रिपुरा आदि की पुलिस के हजारों जवानों, दंगा-रोधी वाहन, नाकाबंदी, बंद मेट्रो स्टेशन और बाधित इंटरनेट के बावजूद युवाओं का जनसैलाब अकल्पनीय था। मैंने सोचा था कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठवा कर सरकार ने 20 जुलाई के प्रदर्शन को फुस्स कर दिया है। पर आज प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जान गए होंगे कि जिस युवापीढ़ी को वे अपना 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' मानते थे, वही अब जज़्बाती गुस्से में है।

मैं सुबह साढ़े दस बजे से शाम पाँच बजे तक संसद भवन के इर्द-गिर्द, रिज़र्व बैंक के आसपास, पटेल चौक, संचार भवन, जंतर-मंतर, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और रायसीना रोड पर उस युवा जोश से रूबरू थी, जिसमें लड़कों से अधिक लड़कियाँ गुस्से में दिखीं। पुलिस से लड़कियाँ न केवल भिड़ रही थीं, बल्कि वे मीडिया से भी बेबाकी से बोल रही थीं। पुलिसकर्मियों से वे पूछ रही थीं, क्या तुम्हारे बेटे-बेटियाँ नहीं हैं? ऐसा दिन न अन्ना आंदोलन के समय था और न निर्भया आंदोलन के समय। जबकि आज पूरा दिन उमस से भरा था। इतनी उमस कि कपड़े शरीर से चिपक जाएँ। बादल बरसते, फिर धूप निकल आती, फिर बारिश लौट आती। लेकिन मौसम जितना भारी था, पुलिस बंदोबस्त जितने भारी थे युवाओं का उत्साह उससे कहीं अधिक था। समय बीतने के साथ भीड़ कम नहीं हुई, वह लगातार बढ़ती गई। जंतर-मंतर की ओर आने वाली लगभग हर सड़क छात्रों और युवाओं से भरी थी। नारे गूंज रहे थे। जोश, हिम्मत साफ महसूस हो रही थी। यदि कोई पूछता कि हाउ इज़ द जोश?, तो जवाब दिल्ली की सड़कें खुद दे रही थीं—हाई।

विरोध प्रदर्शनों की आड़ में जन-धन की हानि आखिर कब तक?

लोकतंत्र में सरकार के किसी निर्णय या नीति का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। यदि विरोध का तरीका सकारात्मक, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक हो, तो उसे समाज का व्यापक समर्थन भी मिलता है। लेकिन जब विरोध हिंसक रूप धारण कर जन-धन की हानि का कारण बन जाता है, तब वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाता है और राष्ट्रविरोधी तत्वों के हाथों का माध्यम बनकर देश के विकास में बाधा उत्पन्न करता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही अनेक राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास करती रही हैं। उनका उद्देश्य भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर कर ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करना है, जहाँ जनता की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित हो जाए। किंतु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहाँ प्रत्येक नागरिक संविधान की मर्यादाओं के भीतर रहकर सरकार की आलोचना और विरोध कर सकता है। हालाँकि, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना, आगजनी करना या जन-धन की हानि करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक विरोध नहीं कहा जा सकता। ऐसे कृत्य राष्ट्रहित के विरुद्ध हैं और देश को अस्थिर करने का प्रयास माने जाते हैं। भारत लंबे समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और चीन की विस्तारवादी नीतियों जैसी चुनौतियों का सामना करता आया है। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों और सरकारों की सतर्कता के कारण देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राष्ट्रीय एकता को कभी गंभीर क्षति नहीं पहुँच सकी है। भविष्य में भी राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ अपने मंसूबों में सफल नहीं होंगी। भारत के पड़ोसी देशों—पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका—में हिंसक आंदोलनों के कारण कई बार सरकारें बदली हैं। किंतु भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से चुनी गई सरकारों को हिंसा के बल पर हटाने का कोई भी प्रयास कभी सफल नहीं हो सकता। भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत है कि यहाँ परिवर्तन का मार्ग केवल संविधान और चुनाव हैं। देश का युवा सरकार की किसी नीति या निर्णय से असहमत हो सकता है और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध भी दर्ज करा सकता है। लेकिन भारत का जागरूक युवा कभी राष्ट्र की अस्मिता, सार्वजनिक संपत्ति या जन-धन को नुकसान पहुँचाने का समर्थन नहीं करता। वह संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना जानता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब आंदोलनों में राजनीतिक स्वार्थ या राष्ट्रविरोधी तत्वों की घुसपैठ हुई है, तब-तब सबसे अधिक नुकसान देश की सार्वजनिक संपत्ति और विकास कार्यों को हुआ है। वर्तमान समय में भी कुछ असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व युवाओं के आक्रोश का दुरुपयोग कर अपने स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं। लेकिन भारत का विशाल युवा वर्ग राष्ट्रहित के साथ मजबूती से खड़ा है, इसलिए ऐसे प्रयास बार-बार विफल होते रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि युवा अपनी बात संवाद और लोकतांत्रिक माध्यमों से रखें तथा सरकारें भी युवाओं की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुनें। यदि किसी नीति या निर्णय में वास्तव में कोई कमी हो, तो उसे समय रहते सुधारने का प्रयास किया जाना चाहिए। इससे न केवल लोकतंत्र मजबूत होगा, बल्कि राष्ट्रविरोधी शक्तियों को भी अशांति फैलाने का अवसर नहीं मिलेगा और देश में सौहार्द, शांति तथा विकास का वातावरण बना रहेगा !

अरविंद रावल

गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

भगवान विष्णु के शयन के साथ चतुर्मास शुरू, जानें क्या हैं पूजा के नियम

आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। कहीं कहीं इस तिथि को पद्मनाभा भी कहा जाता है। इसी दिन से चौमासे का आरम्भ हो जाता है। इस दिन भगवान श्री हरि विष्णु क्षीर सागर में शयन करते हैं। इस दिन उपवास करके श्री हरि विष्णु की सोना, चांदी, तांबा या पीतल की मूर्ति बनवाकर उसका षोडशोपचार सहित पूजन करके पीताम्बर आदि से विभूषित कर सफेद चादर से ढके गद्दे तकिये वाले पलंग पर उसे शयन कराना चाहिए।

पुराणों में ऐसा भी मत है कि भगवान विष्णु इस दिन से चार मास तक पाताल में राजा बलि के द्वार पर निवास करके कार्तिक शुक्ल एकादशी को लौटते हैं। इसी प्रयोजन से इस दिन को देवशयनी तथा कार्तिक शुक्ल एकादशी को प्रबोधिनी कहते हैं। इन चार माह तक सभी मांगलिक कार्य बंद रहते हैं। व्यक्ति को चाहिए कि इन चार महीनों के लिए अपनी रुचि अथवा अभीष्ट के अनुसार नित्य व्यवहार के पदार्थों का त्याग और ग्रहण करें। मधुर स्वर के लिए गुड़ का, दीर्घायु अथवा पुत्र-पौत्र आदि की प्राप्ति के लिए तेल का, शत्रु नाश आदि के लिए कड़वे तेल का, सौभाग्य के लिए मीठे तेल का और स्वर्ग प्राप्ति के लिए पुष्पादि भोगों का त्याग करें।

यह युवाओं में भरा हुआ गुस्सा है!

अजीत द्विवेदी

जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल और कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन एक सामान्य सी मांग को लेकर शुरू हुआ था। छह जून को अमेरिका से लौटे अभिजीत दीपके ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन का आयोजन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अमेरिका में रहते हुए एक सोशल मीडिया हैंडल बनाया था, जिसका नाम रखा था 'कॉकरोच जनता पार्टी'। बाद में इसके एक्स हैंडल को सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया तो 'कॉकरोच इज बैक' नाम से दूसरा हैंडल बनाया गया। सो, कुल मिला कर यह एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बना हैंडल है, जिसने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को मुद्दा बनाया था। 28 जून को वापस जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू करने से पहले दीपके ने महाराष्ट्र के अपने गांव से कई संदेश दिए और जयपुर व नागपुर में भी प्रदर्शन किया। हर जगह उन्होंने एक ही मुद्दा उठाया कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।

यह विशुद्ध रूप से एक एक लोक लुभावन राजनीतिक नारा था और तभी इसे जमीनी स्तर पर बहुत समर्थन नहीं मिला। जिस तेजी से सोशल मीडिया हैंडल पर इसके फॉलोवर बढ़े थे वह तेजी दो दिन के बाद ही थम गई। छह जून के प्रदर्शन को सीमित सफलता मिली। दीपके तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद बेहोश हो गए और एसी गाड़ी में बैठने चले गए। तब ऐसा कतई नहीं लगा था कि यह आंदोलन इतना बड़ा होगा और इससे देश भर के छात्र, युवा और उनके अभिभावक जुड़ जाएंगे।

इसका श्रेय जाता है सोनम वांगचुक को। उन्होंने इस आंदोलन को एक व्यापक स्वरूप दिया। वे शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और उनकी अपनी एक नैतिक ताकत है। जैसे अन्ना हजारे की पहचान भ्रष्टाचार विरोधी समाजसेवी की थी वैसे ही सोनम वांगचुक की छवि एजुकेटर और इनोवेटर की है। इसलिए जब वे आंदोलन से जुड़े और उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ साथ शिक्षा व परीक्षा की गड़बड़ियों को मुख्य मुद्दा बनाया तब इस आंदोलन का दायरा बढ़ गया।

सरकार इस बात को समझने में नाकाम रही कि यह आंदोलन बहुत बड़ा हो गया है। वह इसकी तीव्रता और व्यापकता को जंतर मंतर पर जुड़ी भीड़ से माप रही थी। जबकि यह जंतर मंतर से ही नहीं, बल्कि सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी की सीमाओं से भी व्यापक हो गया है। जो लोग भी इसका आकलन जंतर मंतर की भीड़ से करेंगे वे धोखा खाएंगे। इस आंदोलन का दायरा पूरे देश में फैल गया है। देश के अलग अलग हिस्सों में जितने लोग इस आंदोलन का समर्थन करने निकल रहे हैं उसके कई गुना ज्यादा लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसका समर्थन कर रहे हैं और उससे भी कई गुना ज्यादा लोगों के दिलों में इस आंदोलन को लेकर समर्थन का भाव पैदा हुआ है।

रुद्राष्टकम का दिव्य महात्म्य, भगवान शिव की कृपा और आत्मिक शांति का अद्भुत स्तोत्र

रुद्राष्टकम भगवान शिव की स्तुति में रचित अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली संस्कृत स्तोत्र है, जिसकी रचना गोस्वामी तुलसीदास ने की थी. यह आठ श्लोकों का दिव्य स्तोत्र भगवान शिव के निर्गुण, निराकार, करुणामय और कल्याणकारी स्वरूप का भावपूर्ण वर्णन करता है. धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और भक्ति के साथ रुद्राष्टकम का पाठ करने से भगवान शिव प्रसन्न होकर भक्त के जीवन के संकट दूर करते हैं, मन को शांति प्रदान करते हैं तथा सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद देते हैं. रामचरितमानस की परंपरा के अनुसार भगवान श्रीराम ने भी रावण पर विजय प्राप्त करने से पूर्व रामेश्वरम में शिवलिंग की स्थापना कर रुद्राष्टकम का श्रद्धापूर्वक पाठ किया था, जिससे उन्हें भगवान शिव की कृपा प्राप्त हुई.

रुद्राष्टकम भगवान शिव की अभिव्यक्ति को समर्पित एक अष्टकम या अष्टक (आठ छंदों वाली प्रार्थना) है. इस महान मंत्र की रचना स्वामी तुलसीदास द्वारा 15 वीं शताब्दी में की गई थी. रुद्र को भगवान शिव की भयावह अभिव्यक्ति के रूप में पूजा जाता है, जिनसे हमेशा भयभीत रहना चाहिए. भगवान महाकाल को प्रसन्न करने के लिए स्तुति का यह आठ गुना भजन गाया गया था. जो भी इसका पाठ करेगा, उस पर भगवान शिव अति प्रसन्न होंगे..!*

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है। राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है।

इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो।

-:: आज का राशिफल ::-

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा,

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े का स्वागत किया। उन्होंने इसे देश के युवाओं की जीत बताया और पेपर लीक व शिक्षा सुधारों का मुद्दा लगातार उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ़ की। वायनाड में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस परीक्षा में गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ विरोध कर रहे छात्रों के साथ मज़बूती से खड़ी रही और शिक्षा सुधारों के लिए देशव्यापी आंदोलन खड़ा करने का काम किया।

भारत-रोमानिया आर्थिक संबंधों को नई गति : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रोमानियाई कंपनियों को भारत की विकास यात्रा से जुड़ने का दिया आह्वान

बुखारेस्ट/नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में आयोजित भारत-रोमानिया व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने रोमानियाई कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन, वहां की सरकार के सदस्य, भारत और रोमानिया के प्रमुख उद्योगपति तथा दोनों देशों के उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि यूरोप के महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु पर स्थित रोमानिया अपनी रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन, उन्नत औद्योगिक क्षमता और यूरोपीय संघ के साथ मजबूत एकीकरण के कारण भारत का स्वाभाविक और महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने कहा कि रोमानिया केवल निवेश का आकर्षक केंद्र ही नहीं, बल्कि पूरे यूरोपीय बाजार तक पहुंच का प्रमुख द्वार भी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि भारतीय उद्योग जगत का रोमानिया में उपलब्ध अवसरों पर भरोसा बढ़ रहा है और वह वहां दीर्घकालिक व्यापारिक साझेदारी स्थापित करना चाहता है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त
व्यापार समझौते पर दिया जोर

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार एवं आर्थिक सहयोग दोनों पक्षों की समकालीन साझेदारी का मजबूत आधार है। लगभग दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार और करीब 25 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था के साथ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) विश्व की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारियों में से एक होगा।

उन्होंने कहा कि इस समझौते का शीघ्र और प्रभावी क्रियान्वयन व्यापारिक एकीकरण को मजबूत करेगा, निवेश प्रवाह बढ़ाएगा तथा मजबूत और विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में सहायक होगा। साथ ही इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, नवाचारकर्ताओं और नवप्रवर्तन आधारित उद्यमों के लिए नए अवसर सृजित होंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प देश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा दे रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार निवेश, प्रौद्योगिकी और वैश्विक साझेदारियों को लगातार बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कर प्रणाली को सरल बनाने तथा उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत पारदर्शी, भरोसेमंद और निवेशकों के अनुकूल कारोबारी वातावरण तैयार कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत और रोमानिया के बीच ऊर्जा सुरक्षा तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवर्तन के क्षेत्र में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। इसके अलावा रसायन एवं उर्वरक उद्योग, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, अनुसंधान और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दोनों देश मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में बंदरगाह, रेलवे, राजमार्ग, लॉजिस्टिक्स पार्क और बहु-माध्यम परिवहन परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इसके साथ ही औषधि, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में भी साझेदारी को मजबूत करने की बात कही। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और रोमानिया का उद्योग जगत इन अवसरों को सफल व्यावसायिक साझेदारी में बदलेगा। उन्होंने रोमानियाई कंपनियों से भारत में निवेश बढ़ाने और देश की विकास यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देशों के उद्योग मिलकर मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर सकते हैं, रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकते हैं, नवाचार को बढ़ावा दे सकते हैं

उत्तर प्रदेश के लखनऊ ज़िले में कथित नीट पेपर लीक और प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ पुलिस की कार्रवाई के विरोध में हो रहे प्रदर्शन के दौरान, पुलिसकर्मी आज़ाद समाज पार्टी (कांशी राम) के एक प्रदर्शनकारी को ले जाते हुए।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले और अन्य नेता नई दिल्ली में संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के फ्लोर लीडर्स की बैठक में शामिल हुए।

सोशल मीडिया पर साझा नहीं किए जाएंगे अदालती कार्यवाही के वीडियो, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए संबंधित अदालत की पूर्व अनुमति के बिना सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर न्यायिक कार्यवाही के ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को निकालने, संपादित करने, प्रसारित करने, दोबारा पोस्ट करने, अपलोड करने या उससे कमाई करने पर रोक लगा दी है। यह आदेश पत्रकार हर्षिता ग्रोवर द्वारा सोशल मीडिया पर कोर्ट की कार्यवाही को भ्रामक बनाने के संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई में पारित किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्य बागची और वी मोहाना की पीठ ने याचिका पर कहा, संबंधित हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल या सुप्रीम कोर्ट के महासचिव की पूर्व अनुमति के बिना न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निकालना, संशोधित करना, प्रसारित करना, पोस्ट करना, अपलोड करना या उससे आय अर्जित करना प्रतिबंधित है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अंतरिम निर्देश अदालत की कार्यवाही की समाचार रिपोर्टिंग को प्रभावित नहीं करेगा।

पत्रकार ग्रोवर द्वारा दायर याचिका में कहा गया था कि अदालतों में होने वाली बहस और जजों की मौखिक टिप्पणियों के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप संदर्भ से बाहर निकालकर, भ्रामक कैप्शन और सनसनीखेज हेडलाइंस के साथ वायरल किए जा रहे हैं। इससे जजों और वकीलों को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है और न्यायपालिका की छवि खराब होती है।

पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी कर सभी हाई कोर्ट को भी मामले में पक्षकार बनाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिका में मांगी गई राहतों को लागू करने के लिए नोडल मंत्रालयों की पहचान करते हुए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करे। इसी तरह कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट के लाइवस्ट्रीमिंग दिशानिर्देशों को अपनाने पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और कार्यवाही के निरंतर लाइवस्ट्रीमिंग के प्रभाव को स्पष्ट करने को भी कहा है।

इस दौरान मेटा और एक्स सहित सोशल मीडिया कंपनियों को भी नोटिस जारी किया गया है। सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि एआई टूल्स से जजों और वकीलों के लिप-मूवमेंट को जस का तस रखकर उनकी आवाज और शब्द बदले जा सकते हैं, जो बेहद खतरनाक है।

जस्टिस बागची ने कहा कि लाइव-स्ट्रीमिंग कोर्ट की पारदर्शिता के लिए है, इसे डिजिटल स्पेस में 24 घंटे चलने वाला मनोरंजन चैनल नहीं बनने दिया जा सकता। सीजेआई सूर्यकांत ने माना कि कई बार उनके बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, जो चिंता का विषय है।

भूख हड़ताल खत्म, जवाबदेही की शुरुआत, सोनम वांगचुक ने जारी किया वीडियो संदेश

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 26 दिन बाद अनशन खत्म करने के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। जिसमें लिखा है, भूख हड़ताल खत्म, जवाबदेही की शुरुआत! सोनम वांगचुक वीडियो संदेश में कह रहे हैं, केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, डॉ. जितेंद्र सिंह और लेह-लद्दाख की शीर्ष संस्था के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मैंने आखिरकार 26 दिनों बाद अपना अनशन तोड़ा है। इससे पहले, अलग-अलग राजनीतिक दलों के 65 सांसदों ने मुझसे मिलकर या पत्र लिखकर अनशन तोड़ने का आग्रह किया और संसद में नीट पेपर और परीक्षाओं की प्रणाली पर चर्चा करने का आश्वासन दिया।वांगचुक ने आगे कहा, सरकार की तरफ से आए मंत्रियों ने भी यह आश्वासन दिया। दो दिनों से बातचीत चल रही थी कि आश्वासन लिखित में चाहिए। इस प्रक्रिया में दो दिन लगे, जिससे मुझे दो दिन अतिरिक्त अनशन करना पड़ा। आखिरकार सरकार की ओर से लिखित आश्वासन मिला है। सोनम वांगचुक ने कहा है कि सरकार और सभी राजनीतिक दलों के सांसदों से यह भरोसा मिला कि खराब होती परीक्षा प्रणाली के मामले पर भारतीय संसद में जवाबदेही के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रोमानिया के बुखारेस्ट में संसद भवन में रोमानिया की सीनेट के अध्यक्ष मिर्सिया अब्रुडियन और चैंबर ऑफ़ डेप्युटीज़ के अध्यक्ष सोरिन ग्रिंडियानु के साथ बातचीत की।

शुभ विचार, वाणी और कर्म ही बनाते हैं व्यक्तित्व-प्रधानमंत्री मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एक प्रेरणादायक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए कहा कि व्यक्ति के विचार, वाणी और कर्म ही उसके व्यक्तित्व और जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में सदैव शुभ, सकारात्मक और कल्याणकारी विचारों तथा आचरण को अपनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक माध्यम एक्स पर अपने संदेश में एक संस्कृत सुभाषित साझा किया— कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्ष्णं निषेवते। तदेवापहरत्येनं तस्मात् कल्याणमाचरेत॥

इस सुभाषित का भावार्थ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और वाणी के माध्यम से जिस प्रकार के व्यवहार और सोच का लगातार अभ्यास करता है, अंतत: वही उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है और उसके जीवन की दिशा भी उसी के अनुरूप निर्धारित होती है। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों, व्यवहार और संवाद में सदैव कल्याणकारी, सकारात्मक और प्रेरणादायी विषयों को ही स्थान देना चाहिए। अच्छे विचार और श्रेष्ठ आचरण न केवल व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं,

कोलकाता में वामपंथियों के विरोध मार्च में घुसे कॉकरोच

कोलकाता (आरएनएस)। महानगर की कोलकाता पुलिस से अलग रैली की अनुमति न मिलने के बावजूद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों के तेवर ढीले नहीं पड़े। पुलिस प्रशासन को चकमा देते हुए सीजेपी ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया और वामपंथी छात्र संगठनों द्वारा आयोजित विशाल मार्च में शामिल हो गई। सियालदह से एस्प्लेनेड तक निकले इस संयुक्त विरोध मार्च में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की पुरजोर मांग की।

पुलिस और स्थानीय प्रशासन को शायद इस बात का अंदाजा नहीं था कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का सीधा असर कोलकाता की सड़कों पर इस तरह देखने को मिलेगा। यह विशाल विरोध प्रदर्शन लद्दाख के शिक्षाविद सोनम वांगचुक की लंबी भूख हड़ताल के समर्थन में और देश की केंद्रीय परीक्षा प्रणालियों (नीट आदि) में लगातार सामने आ रही खामियों के विरोध में आयोजित किया गया था। दोपहर करीब 2:30 बजे जैसे ही यह जुलूस सियालदह स्टेशन परिसर से शुरू हुआ, हजारों की संख्या में छात्र इसमें जुड़ते चले गए। प्रदर्शनकारियों का उत्साह और विरोध का तरीका अनोखा था। हाथों में केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले तीखे पोस्टर थे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने दो टूक कहा, दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो कुछ हो रहा है, वह केवल राजधानी का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश के लाखों युवाओं और छात्रों के भविष्य का संघर्ष है। वहीं सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) के प्रतिनिधि देदीप्य गांगुली ने संगठन का रुख साफ करते हुए कहा,

नेपाल से भारत में अवैध प्रवेश करते हुए खालिस्थानी समर्थक और अमेरिकी नागरिक समेत 5 दबोचे

नईदिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा बलों ने नेपाल सीमा से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे के एक वांछित सदस्य और संगठन से जुड़े एक अमेरिकी नागरिक समेत 5 को गिरफ्तार किया है। बहराइच पुलिस ने बताया कि खालिस्तानी चरमपंथी सदस्य की पहचान विक्रमजीत सिंह और अमेरिकी नागरिक की पहचान मनवीर सिंह ढिल्लों के रूप में हुई है। विक्रमजीत 2023 में पंजाब के एक पुलिस थाने पर हुए हमले में वांछित है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को नेपाल से रूपाईडीहा सीमा चौकी पार करके भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और उत्तर प्रदेश पुलिस के अभियान में दोनों आरोपियों को भारत में प्रवेश करने में मदद करने के आरोप में 3 अन्य भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान रूपाईडीहा निवासी सुरेश कुमार पाठक, दिलीप उपाध्याय और वाहन चालक राहुल कुमार के रूप में हुई है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मनीला, फिलीपींस में ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल बुसैदी से मुलाकात की और खाड़ी क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

चीफ़ ऑफ़ डिफ़ेंस स्टाफ़ (सीडीएस) जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने नई दिल्ली में संसद भवन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाक़ात की।

नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-लगातार गलतियों के सिलसिले को खत्म करे सरकार

नईदिल्ली (आरएनएस)। नीट पेपर लीक के मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लगातार गलतियों का सिलसिला इसी तरह जारी नहीं रह सकता। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र से कहा कि वे इस मामले पर बहुत बारीकी से नजर रखेंगे और नियमित रूप से इसकी समीक्षा करेंगे। पीठ ने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि सब कुछ एक व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत हो।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से नीट-यूजी परीक्षा को पूरी तरह कंप्यूटर-आधारित परीक्षा की ओर बढ़ने की योजनाओं के बारे में जानकारी मांगी।

पीठ ने कहा, अगर परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाती है तो डेटा सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी। कृपया हमें बताएं कि आप पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में जाने के लिए क्या कर रहे हैं। कृपया बताएं कि कंप्यूटर-आधारित परीक्षा में जाने पर आप डेटा की सुरक्षा कैसे करेंगे।

सरकार ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार किए जाएंगे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, प्रिंटिंग से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया कोर्ट के सामने रखी जाएगी। राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को लागू किया जा रहा है और कंप्यूटर-आधारित परीक्षाओं, डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी एक हलफनामे में दी जाएगी। कोर्ट ने केंद्र से कहा, आपको 3 चरण में परीक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना है- ?परीक्षा से पहले, परीक्षा के दौरान और परीक्षा के बाद। हमें परीक्षा को संस्थागत बनाना है।

सुप्रीम कोर्ट ने राधाकृष्णन पैनल के उस सुझाव पर भी एनटीए की राय मांगी, जिसमें हाइब्रिड फॉर्मेट अपनाने की बात कही गई है। इसके तहत प्रश्न-पत्र एन्क्रिप्टेड लिंक के जरिए डिजिटल रूप से भेजे जाएंगे और परीक्षा से सिर्फ 30-60 मिनट पहले प्रिंट किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए को निर्देश दिया कि वे नीट-यूजी पेपर लीक के बाद सुधार लागू करने की दिशा में हुई प्रगति पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करें। कोर्ट ने केंद्र सरकार को प्रस्तावित गवर्निंग बोर्ड, विशेषज्ञों की अगुवाई वाली इकाइयों और 10 अहम क्षेत्रों में उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को लागू करने के बारे में भी जानकारी देने का निर्देश दिया।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मशहूर कंटेंट क्रिएटर अपूर्वा मुखिजा (जिन्हें लोग द रेबेल किड के नाम से भी जानते हैं) ने रियलिटी शो लॉक अप सीज़न 2 में एंट्री लेते ही तहलका मचा दिया है। शो में वह बतौर वाइल्ड-कार्ड कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि जेलर फराह खान और रितेश देशमुख के लिए मुखबिर बनकर दाखिल हुई हैं। हालाँकि, शो में उनके आने से जहाँ कंटेस्टेंट्स के बीच हड़कंप मचा,

भव्या सिंह के बयान पर बढ़ा विवाद, श्रेया कालरा और ऋषभ जायसवाल की ओर से कानूनी कार्रवाई की चर्चा

मुंबई. एमटीवी स्प्लिट्सविला से पहचान बनाने वाली रियलिटी टीवी स्टार, इन्फ्लुएंसर और पॉडकास्ट होस्ट भव्या सिंह एक बार फिर विवादों में हैं. एक पॉडकास्ट में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेया कालरा और उनके बॉयफ्रेंड ऋषभ जायसवाल को लेकर की गई विवादित टिप्पणियों के बाद उनके खिलाफ मानहानि और चरित्र हनन का मामला दर्ज कराने की तैयारी की खबरें सामने आई हैं. हालांकि, अब तक न तो श्रेया कालरा और न ही ऋषभ जायसवाल ने सार्वजनिक रूप से किसी कानूनी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि की है.

रिपोर्ट के अनुसार, भव्या सिंह हाल ही में लक्षय और अर्चित कौशिक के पॉडकास्ट में शामिल हुई थीं. बातचीत के दौरान उन्होंने श्रेया कालरा और ऋषभ जायसवाल का नाम लेते हुए उनके बारे में अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया. इसी दौरान उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि दोनों किसी और के पैसों पर निर्भर हैं और आगे 卐शुगर डैडी卐 संबंधी टिप्पणी भी की. पॉडकास्ट प्रसारित होने के बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बन गया. इन टिप्पणियों के बाद खबरें सामने आईं कि श्रेया कालरा और ऋषभ जायसवाल की टीम ने भव्या सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है. बताया गया कि उनकी ओर से मानहानि का मामला दायर करने की तैयारी की जा रही है.इन खबरों के सामने आने के बाद भव्या सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो साझा कर प्रतिक्रिया दी. वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें धमकियां देने के बजाय कार्रवाई कर लेनी चाहिए. उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें सुबह एक फोन आया था, जिसमें बताया गया कि श्रेया कालरा और ऋषभ जायसवाल की टीम उनके खिलाफ मानहानि और चरित्र हनन का मुकदमा दायर करने की तैयारी कर रही है.

भव्या सिंह ने अपने वीडियो में यह भी दावा किया कि उन्हें बताया गया कि पॉडकास्ट प्रसारित होने के बाद श्रेया कालरा की मां की तबीयत खराब हो गई है. उन्होंने इस कथित कानूनी कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब श्रेया कालरा ने पहले शिवांगी जोशी के बारे में टिप्पणी की थी, तब उस पर कोई आपत्ति क्यों नहीं जताई गई.

वीडियो के अंत में भव्या सिंह ने कहा कि अपने पॉडकास्ट के दौरान वह पहले भी कई अदालतों से जुड़े मामलों का सामना कर चुकी हैं और यदि मामला अदालत तक जाता है तो उन्हें उससे कोई आपत्ति नहीं है. उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने श्रेया कालरा की टीम को यह प्रस्ताव दिया था कि यदि ऋषभ जायसवाल सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से उनसे माफी मांगते हैं तो वह पॉडकास्ट का विवादित हिस्सा हटाने के लिए तैयार हैं. फिलहाल श्रेया कालरा और ऋषभ जायसवाल की ओर से सोशल मीडिया पर ऐसा कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है,

मेगास्टार अमिताभ बच्चन को ब्लॉग लिखना पड़ा भारी, अब दे रहे हैं सफाई

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने स्पष्ट किया है कि उनके हालिया ब्लॉग पोस्ट को लोगों ने गलत तरीके से समझ लिया। उन्होंने कहा कि उनकी पोस्ट किसी निजी स्थिति से जुड़ी नहीं थी, बल्कि अर्जेंटीना की हार के बाद फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी के उदाहरण के जरिए एक विचार समझाने का प्रयास था। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, मैं बिल्कुल ठीक हूं। लोगों ने मेरी पोस्ट का गलत मतलब निकाल लिया। उन्होंने आगे लिखा, मैं सिर्फ अपनी बात समझाने के लिए एक उदाहरण दे रहा था। जैसे किसी बड़ी सर्जरी या आईसीयू से बाहर आने के बाद असली चुनौती तब शुरू होती है, जब मरीज घर लौटकर अपनी बदली हुई शारीरिक स्थिति का सामना करता है।

डेटिंग अफवाहों पर भड़के अर्जुन बिजलानी बोले, 15 साल पुरानी दोस्ती को रोमांस बनाना गैरजिम्मेदाराना

मुंबई. अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने अभिनेत्री मौनी रॉय के साथ अपने रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही डेटिंग की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है. हाल ही में दोनों को डिनर के बाद साथ देखा गया था, जिसके बाद कुछ सोशल मीडिया और पैपराजी पेजों ने उनके रिश्ते को लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दीं. इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अर्जुन ने कहा कि वर्षों पुरानी दोस्ती को सनसनीखेज सुर्खियों में बदलना गलत है और मीडिया को तथ्य जांचने के बाद ही खबरें प्रकाशित करनी चाहिए.

अर्जुन बिजलानी ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि दो लोग, जो पिछले 15 वर्षों से अच्छे दोस्त हैं, किसी गॉसिप पेज की सुर्खियों के कारण अचानक प्रेम संबंध में नहीं आ जाते. उन्होंने कहा कि कठिन समय में किसी दोस्त के साथ खड़ा होना सामान्य मानवीय व्यवहार है और हर दोस्ती को रोमांटिक रिश्ते का नाम देना उचित नहीं है. अभिनेता ने कहा कि कुछ प्लेटफॉर्म केवल अधिक व्यूज़ और क्लिक पाने के लिए झूठी कहानियां गढ़ रहे हैं, जिससे लोगों की निजी जिंदगी प्रभावित होती है.

उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया पेजों से जिम्मेदार पत्रकारिता करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी खबर को प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करना आवश्यक है. अर्जुन ने कहा कि भ्रामक और आधारहीन खबरें न केवल भ्रम पैदा करती हैं बल्कि संबंधित लोगों की निजता का भी उल्लंघन करती हैं. उनके अनुसार विश्वसनीय पत्रकारिता तथ्यों पर आधारित होती है, जबकि क्लिकबेट केवल सनसनी फैलाने का माध्यम बन जाता है.

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा ने भी इन अफवाहों पर नाराजगी जताई. उन्होंने संबंधित पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि केवल व्यूज़ बढ़ाने के लिए किसी भी तरह की मनगढ़ंत बातें प्रकाशित करना गलत है. उन्होंने सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे ऐसे दावों की आलोचना की और इन्हें पूरी तरह निराधार बताया. अर्जुन बिजलानी और मौनी रॉय की दोस्ती लगभग 15 वर्षों पुरानी है. दोनों ने वर्ष 2015 में एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक %नागिन% में साथ काम किया था, जहां उनकी जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था. पर्दे के बाहर भी दोनों हमेशा एक-दूसरे को अपना अच्छा मित्र बताते रहे हैं और कई अवसरों पर एक-दूसरे का समर्थन करते दिखाई दिए हैं. मौनी रॉय ने भी पहले कई बार कहा है कि उनके और अर्जुन के बीच केवल मजबूत दोस्ती का रिश्ता है.

लॉक अप सीजन 2- लवबर्ड्स कहने पर बढ़ा विवाद, शिल्पा शिंदे पर भड़के हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी

रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में हर दिन नए रिश्ते बनते और बिगड़ते नजर आ रहे हैं। शो में कंटेस्टेंट्स के बीच होने वाले विवाद लगातार दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। इस बार अभिनेता हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी, शिल्पा शिंदे से भिड़ते नजर आए। दरअसल, शिल्पा शिंदे ने उन्हें लवबर्ड्स कहकर पुकारा था। इस टिप्पणी पर दोनों ने कड़ी आपत्ति जताई और देखते ही देखते मामूली बहस तीखी नोकझोंक में बदल गई। पूरे विवाद की शुरुआत जिम मैट को लेकर हुई। हर्षद चोपड़ा जिम मैट ढूंढ रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर जिम मैट नहीं मिल रहा है। इस पर शिल्पा शिंदे ने जवाब दिया कि वह उसी मैट पर सो रही हैं और उसे नहीं देंगी। शिल्पा की इस बात पर हर्षद नाराज हो गए और बोले कि वह बिना मैट के भी सो सकती हैं। इसी दौरान शिल्पा ने तंज कसते हुए हर्षद और शिवांगी को लवबर्ड्स कह दिया। यह सुनते ही माहौल अचानक गर्म हो गया।

शिवांगी जोशी ने तुरंत इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और पूछा कि आखिर वह उन्हें बार-बार लवबर्ड्स क्यों कह रही हैं। सभी जानते हैं कि हमारे बीच सिर्फ दोस्ती का रिश्ता है, इसलिए इस तरह की बातें करना सही नहीं है। अपनी भाषा और सोच पर थोड़ा ध्यान दो। इसके बाद उन्होंने शिल्पा पर निशाना साधते हुए कहा, आपने शायद जिंदगी में कभी सच्ची दोस्ती देखी ही नहीं। आपकी उम्र शादी करने की है और आप इस तरह की अफवाहें फैला रही हैं। शिवांगी ने भी शिल्पा पर पलटवार करते हुए कहा, आपने अपनी जिंदगी में एक भी दोस्त नहीं बनाया। क्या ये जलन है? इस दौरान शिल्पा लगातार लवबर्ड्स शब्द दोहराती रहीं। इससे हर्षद का गुस्सा और बढ़ गया।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुई यामी गौतम, कहा- सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों आर्टिकल 370 से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को सबसे बड़ा टीचर बताया। अभिनेत्री ने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। बता दें कि आर्टिकल 370 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने जूनी हक्सर नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव राजेश्वरी स्वामीनाथन की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे। इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

तनावमुक्त जीवन और बेहतर एकाग्रता के लिए करें उत्थित पार्श्वकोणासन योगासन

आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक संतुलन और आंतरिक ऊर्जा को बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसी स्थिति में उत्थित पार्श्वकोणासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को ताजगी प्रदान करता है। उत्थित का अर्थ है, खिंचाव, पार्श्व का अर्थ बगल और कोण का अर्थ एंगल हैं। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर के पार्श्व (साइड) भाग में एक संपूर्ण और सुंदर पार्श्व-कोण बनता है।

बचपन में यौन उत्पीड़न का शिकार हुए थे सोहेल खान, सालों बाद पिता सलीम खान के सामने छलका दर्द

मुंबई. बॉलीवुड अभिनेता, निर्माता और निर्देशक सोहेल खान ने अपने बचपन से जुड़ा एक बेहद भावुक और निजी अनुभव साझा करते हुए खुलासा किया है कि वह कम उम्र में यौन उत्पीड़न का शिकार हुए थे. उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद उन्होंने वर्षों तक किसी को इसके बारे में नहीं बताया. बड़े होने पर उन्होंने पहली बार अपने पिता और वरिष्ठ पटकथा लेखक सलीम खान को पूरी बात बताई. सोहेल ने कहा कि उस समय उन्हें किसी और की गलती के बावजूद शर्म और संकोच महसूस होता था, इसलिए वह इतने वर्षों तक चुप रहे. उनका यह बयान रियलिटी शो %अलायंस% के एक एपिसोड में सामने आया, जहां उन्होंने रैगिंग, बुलिंग और बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर बात की.

शो के दौरान सोहेल खान ने अपने सह-प्रतियोगियों अर्सलान गोनी, रूही दोसानी और एली गोनी से बातचीत करते हुए कहा कि वह हमेशा से रैगिंग और बुलिंग के खिलाफ रहे हैं. उन्होंने बताया कि वह अपने बच्चों को हमेशा यह सीख देते हैं कि यदि कोई उन्हें परेशान करे, डराए या उनके साथ गलत व्यवहार करे तो वे बिना किसी झिझक के तुरंत परिवार को इसकी जानकारी दें. बातचीत के दौरान सोहेल ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा कि बचपन में उनके साथ यौन उत्पीड़न की घटना हुई थी. उन्होंने इस अनुभव को कई वर्षों तक अपने मन में दबाकर रखा. जब वह बड़े हुए और वयस्क बने, तब उन्होंने पहली बार अपने पिता सलीम खान को इस घटना के बारे में बताया. सोहेल ने कहा कि जब उन्होंने अपने पिता से पूरी बात साझा की तो सलीम खान ने उनसे पूछा कि उन्होंने इतने वर्षों तक यह बात अपने भीतर क्यों दबाकर रखी. इस पर उन्होंने जवाब दिया कि उन्हें यह बात बताने में बेहद शर्म महसूस होती थी. उन्होंने स्वीकार किया कि गलती उनकी नहीं थी, फिर भी उन्हें अपराधबोध और संकोच महसूस होता रहा.

सोहेल खान ने कहा कि इसी अनुभव ने उन्हें अपने बच्चों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाया है. वह हमेशा अपने बच्चों से कहते हैं कि जीवन में चाहे कैसी भी परिस्थिति आए, कोई भी बात अपने मन में दबाकर न रखें और परिवार के साथ खुलकर साझा करें. उनका मानना है कि समय रहते सही व्यक्ति से बात करने पर मानसिक बोझ कम होता है और समस्याओं का समाधान भी जल्दी निकल सकता है.

रियलिटी शो के हालिया एपिसोड में सोहेल खान अपने परिवार को याद करते हुए भावुक भी नजर आए. उन्होंने कार्यक्रम के होस्ट कुणाल खेमू से कहा कि उन्होंने पहले कई रियलिटी शो जज और होस्ट किए हैं, लेकिन एक प्रतियोगी के रूप में हिस्सा लेने के बाद ही उन्हें समझ आया कि प्रतिभागियों पर मानसिक और भावनात्मक दबाव कितना अधिक होता है. उन्होंने कहा कि इस शो ने उन्हें जीवन का ऐसा अनुभव दिया, जो उन्हें पिछले 55 वर्षों में कभी नहीं मिला था.हाल ही में इस शो में उनकी पूर्व पत्नी सीमा सजदेह की वाइल्ड कार्ड एंट्री भी हुई थी. दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रही और दर्शकों ने उनके सौहार्दपूर्ण रिश्ते की सराहना की. शो में सीमा सजदेह को सोहेल खान का मार्गदर्शन करते और खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनका उत्साह बढ़ाते हुए भी देखा गया.

जन नायकन रिलीज होते ही पूजा हेगड़े ने विजय संग साझा की खास तस्वीरें, आखिरी फिल्म को लेकर लिखा भावुक संदेश

चेन्नई. दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म %जन नायकन% आखिरकार गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म की रिलीज के साथ ही अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर विजय के साथ शूटिंग के दौरान की कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावुक संदेश भी लिखा, क्योंकि यह अभिनेता विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म मानी जा रही है। इसके बाद विजय पूरी तरह अपनी राजनीतिक पारी पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि रिलीज का दिन आ गया है और आखिरी बार... आखिरी डांस... आपकी हलामिथि और हबीबो... कायल और वेत्री। । उनके इस पोस्ट को विजय के प्रशंसकों ने खूब पसंद किया और सोशल मीडिया पर यह तेजी से वायरल हो गया।

जन नायकन का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े के अलावा ममिता बैजू, प्रकाश राज, बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियामणि और नारायण भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी सत्यन सूर्यान और संपादन प्रदीप ई. राघव ने किया है। यह फिल्म मूल रूप से इस वर्ष पोंगल के अवसर पर 9 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से प्रमाणन में देरी के कारण इसकी रिलीज टालनी पड़ी। बताया गया कि फिल्म के कुछ दृश्यों को लेकर धार्मिक भावनाएं आहत होने की आशंका जताई गई थी, जिसके चलते प्रमाणन प्रक्रिया में समय लगा। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब फिल्म देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज कर दी गई है। जन नायकन एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा है और इसे विजय के फिल्मी करियर की विदाई फिल्म माना जा रहा है। पिछले तीन दशकों में विजय ने तमिल सिनेमा में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं और देश के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में अपनी पहचान बनाई है। अब उन्होंने अभिनय से दूरी बनाकर पूरी तरह राजनीति में सक्रिय होने का फैसला किया है। विजय के प्रशंसकों के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि इसके बाद वे बड़े पर्दे पर अभिनेता के रूप में नजर नहीं आएंगे। उनकी %लियो%, %बिगिल%, %घिल्ली% और %पोक्किरी% जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी और उन्हें भारतीय सिनेमा के बड़े सितारों की श्रेणी में स्थापित किया। जन नायकन% की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर विजय और पूजा हेगड़े की तस्वीरें तथा फिल्म को लेकर प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। फिल्म के पहले दिन के प्रदर्शन और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी फिल्म उद्योग की नजर बनी हुई है।

शब्द सामर्थ्य -108

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

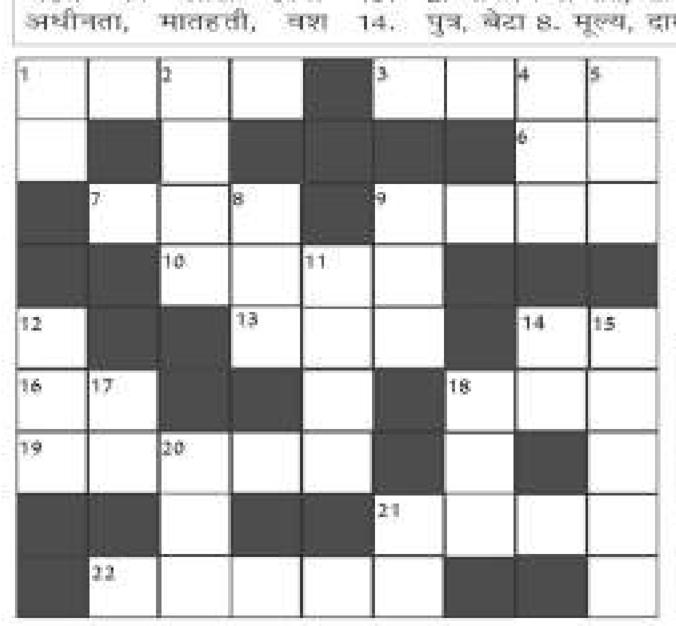

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 107 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बेलखेड़ा में ग्राम पावला में एक व्यक्ति की मृत्यु होने की सूचना पर पहुँची पुलिस को मान सिंह लोधी उम्र 70 वर्ष निवासी ग्राम पावला ने बताया कि वह खेती किसानी का काम करता है उसका घर गांव व खेत में भी है वह खेत में बने मकान मे रहता है आज सुबह लगभग 8 बजे उसका बेटा पोहप सिंह उम्र 40 वर्ष खेत के मकान में आया वहां पर लाईट नहीं थी जो लाईट की सप्लाई देखने के लिये उसके खेत के बाजू में चरन सिंह लोधी के खेत में लगे बिजली के खम्बे के तरफगया जो बहुत देर तक वापस नहीं आया।

नगर निगम मजिस्ट्रेट की विशेष उपस्थिति में बस स्टैंड एवं स्टेडियम क्षेत्र में अतिक्रमण व गंदगी के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ एवं सुगम यातायात से परिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से आज नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल के नेतृत्व में संयुक्त दल द्वारा व्यापक अभियान चलाकर सख्त दंडात्मक एवं सुधारात्मक कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई नगर निगम मजिस्ट्रेट श्री अरुण कुमार गोयल की विशेष उपस्थिति में योजनाबद्ध तरीके से बस स्टैंड एवं स्टेडियम परिसर के चारों ओर संचालित की गई।

अभियान के दौरान सार्वजनिक मार्गों पर बेतरतीब एवं गलत तरीके से खड़े किए गए वाहनों को संयुक्त दल द्वारा तत्काल जब्त किया गया। इस कार्रवाई से लंबे समय से लग रहे जाम से आम नागरिकों एवं राहगीरों को बड़ी राहत मिली है। इसके अतिरिक्त, स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करने वाले तथा आसपास गंदगी फैलाने वाले स्थानीय होटल एवं रेस्तरां संचालकों के विरुद्ध %ऑन-द-स्पॉट फाइन% मौके पर चालान की सख्त कार्रवाई की गई। संयुक्त कार्रवाई में नगर निगम मजिस्ट्रेट श्री अरुण कुमार गोयल के साथ सहायक अतिक्रमण अधिकारी टिपेंद्र रावत, अतिक्रमण दल, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोलाराव, अनंत दुबे, प्रभारी स्वास्थ्य निरीक्षक किशन दुबे एवं स्वच्छता टीम, पुलिस बल तथा ट्रैफिक पुलिस बल की मुस्तैद उपस्थिति एवं सराहनीय सहयोग रहा। नगर निगम मजिस्ट्रेट द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण तथा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध इस प्रकार का अभियान निरंतर जारी रहेगा। आम नागरिकों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की गई है कि वे शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में अपना नागरिक सहयोग प्रदान करें।

एनसीसी कैडेट्स को दिया आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मानसून पूर्व तैनाती के अंतर्गत 11वीं वाहिनी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एक्शन एंड स्टडीज तिलहरी में आयोजित 1 एमपी सिग्नल कंपनी एनसीसी कैंप के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत एनसीसी कैडेट्स को आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, सड़क दुर्घटना सहित विभिन्न आपदाओं के दौरान सुरक्षित निकासी, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, रक्तस्राव नियंत्रण, घायलों के सुरक्षित स्थानांतरण तथा अन्य जीवन रक्षक तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। कैडेट्स ने इन तकनीकों का अभ्यास भी किया।

यह कार्यक्रम 11वीं एनडीआरएफ के कमांडिंग ऑफिसर अनूप कुमार बिष्ट के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। निरीक्षक रेखा कुमारी ने प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को समाज तक पहुंचाकर आपदा जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में 1 एमपी सिग्नल कंपनी एनसीसी कैंप के कमांडिंग ऑफिसर पंकज कुमार गिरी, सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, एनडीआरएफ के बचावकर्मी, एनसीसी प्रशिक्षक एवं कैडेट्स उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन वार्ड का किया सघन निरीक्षण, गली-गली पहुँचकर परखीं नागरिक सुविधाएँ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के निर्देशानुसार शहर में नागरिकों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं और उन सभी सुविधाओं पर सतत् रूप से निगरानी भी रखी जा रही है। इसी तारतम्य में आज निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिक सुविधाओं और शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सर्वपल्ली राधाकृष्णन वार्ड की विभिन्न बस्तियों का औचक एवं सघन निरीक्षण किया। इस दौरान वे स्वयं गली-गली पहुँचे और धरातल पर सफाई तथा पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

?सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर निगमायुक्त ने कचरा उठाने, नालियों की सफाई और सड़कों की झाड़ू व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद सफाई संरक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए बस्तियों में नियमित और समयबद्ध सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

?पेयजल आपूर्ति का लिया जायजा उन्होंने इस अवसर पर नागरिकों से सीधे संवाद कर पूछा कि पानी की सप्लाई सही समय पर और पर्याप्त दबाव के साथ हो रही है या नहीं। नागरिकों से मिले फीडबैक के आधार पर जलापूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जनसंवाद और समस्याओं का त्वरित समाधान निरीक्षण के दौरान श्री अहिरवार ने स्थानीय निवासियों से आत्मीय बातचीत की और उनकी मूलभूत समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि नागरिकों की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और प्राप्त सुझावों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर सिंह ने लिया बरगी बांध में जल भराव की स्थिति का जायजा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आज बरगी बांध पहुंचकर वहाँ जल भराव की स्थिति और नहरों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बांध की वर्तमान जल स्तिर की जानकारी लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में बरगी डैम का जल स्तर 413.75 मीटर पहुंच चुका है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने बरगी बांध की दाईं तट नहर का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सिंचाई के लिए वर्तमान में 15 क्यूमेक पानी प्रवाहित किया जा रहा है। वहीं दाईं तट नहर में शुरुआत से लेकर 6.94 किलोमीटर तक पानी के बहाव में किसी भी प्रकार का कोई अवरोध नहीं है। यह पानी जबलपुर, पनागर और सिहोरा तक जायेगा, जहां के किसानों को सिंचाई के लिए इसका लाभ मिलेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी के प्रवाह की लगातार मॉनिटर की जाए। साथ ही नहरों की सफाई व रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि पानी की आपूर्ति बिना किसी रुकावट के मिलती रहे। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्यर कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, एसडीएम अभिषेक सिंह तथा संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जीसीएफ कार्य समिति चुनाव में द्बठ्ठस्त्र2द्ब ओर ड्डद्बस्त्रद्गद्ब के समर्पित 10 पदों पर जीत हासिल करी है द्बठ्ठस्त्र2द्ब के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण दुबे जी इससे कर्मचारी की जीत कही सुरसा कर्मचारी यूनियन के आनंद शर्मा राकेश रंजन अखिलेश पटेल अनिल गुप्ता संतोष सिंह धर्मेंद्र रजक हृदेश यादव महेंद्र रजक अनुम भौमिक प्रकाश ठाकुर अजीत यादव जीजो जैकब मुकेश विनोदिया दुर्गेश सोनी हरि झरिया राम बाबू ललित जाट ने जीत पर खुशी जाहिर किया

विकसित भारत एवं कारगिल विजय दिवस पर त्रिदिवसीय फोटो प्रदर्शनी शुरू

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो भोपाल द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में सेवा सुशासन के 12 वर्ष, विकसित भारत एवं कारगिल विजय दिवस विषय पर आधारित त्रिदिवसीय फोटो प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री ए.सी. तिवारी, सीबीसी भोपाल के कार्यालय प्रमुख एवं उपनिदेशक श्री शारिक नूर तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अरुण शुक्ल ने किया। श्री नूर ने प्रदर्शनी की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन, जनकल्याण, विकास, विभिन्न केंद्रीय योजनाओं, विकसित भारत के संकल्प तथा कारगिल विजय दिवस पर भारतीय सेना के शौर्य, साहस और बलिदान को चित्रों एवं संदेशों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

प्रभारी प्राचार्य श्री तिवारी ने कहा कि प्रदर्शनी से विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी मिलेगी, जबकि डॉ. शुक्ल ने कहा कि इससे युवाओं में देशभक्ति की भावना और कारगिल के वीर शहीदों के प्रति सम्मान का भाव विकसित होगा।

नगर व ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की सेक्टर बैठक का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। म.प्र.जन अभियान परिषद विकासखण्ड पनागर नवांकुर संस्था सुनहरा कल बेल्फेयर फाउंडेशन के द्वारा सेक्टर पनागर की नगर व ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन

घनश्याम रायपुरिया जिला समन्वयक जबलपुर, भारत महरोलिया विकासखण्ड समन्वयक पनागर, धर्मेंद्र कुशवाहा नवांकुर संस्था सेक्टर प्रभारी की उपस्थिति में आयोजित किया गया हैं

जिसमे जिला समन्वयक

स्वैच्छिकता पर्व पर नशामुक्ति की शपथ,पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर ने स्वैच्छिकता पर्व के उपलक्ष्य में प्रस्फुटन समितियों के सदस्यो के साथ 4 जुलाई से 12 अगस्त तक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पखवाड़ा मनाने, प्रस्फुटन ग्रामो में स्वच्छता कार्य, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों, सामाजिक समरसता नशामुक्ति, पौधारोपण करने के विषय मे जानकारी दी गई

विकासखण्ड समन्वयक पनागर ने उपस्थित समिति सदस्यों को प्रस्फुटन समितियों की नियमित बैठके करने, कार्यालय जन सूचना केंद्र, संस्कार केन्द्र, विवेकानंद वाचनालय खोलने, ग्राम को गौ ग्राम, नशा मुक्त ग्राम, ग्राम में प्रस्फुटन वाटिका नर्सरी की स्थापना करने के विषय मे जानकारी दी गई तथा

उपस्थित समिति सदस्यो को स्वैच्छिकता पर्व पर नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई कार्यक्रम पश्चात खेरमाई मंदिर परिसर में सभी समिति सदस्यों की उपस्थिति में आम के पौधों को लगाया गया है बैठक में शपारस दाहिया नवांकुर संस्था, परामर्शदाता श्रीमति पार्वती लोधी, सुशील सेन, रवि बोहत, शुभम पटेल, ओमकार दाहिया, बद्री प्रसाद ,पीएस ठाकुर, राजेश सोनी, राहुल लोधी, बृजेश केवट, सुभाषिनी पटेल, रामखेलावन केवट के साथ सेक्टर की सभी समितियों के सदस्यो की उपस्थिति में बैठक संपन्न की गई है

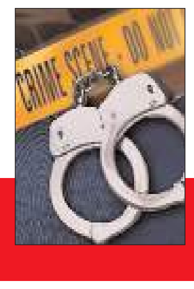

जबलपुर।थाना गोरखपुर में रात सोनू ठाकुर उम्र 31 वर्ष निवासी नयागांव साई नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि केटरिंग का काम करता है की रात लगभग 11-30 बजे उसके घर के पास सोनू भाट, मोनू भाट, बेड़ी भाट मिले जो उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे, पैसे देने से मना करने पर तीनों गाली गलौज करते हुये सभी ने हाथ मुक्कों से मारपीट कर पीठ में चोट पहुँचा दी तथा तीनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये।

पांच युवकों की हत्या में मामले में 8 गिरफ्तार, डाक्टर ने पूछा मर गए, सुपारी किलर बोला, अभी हिल रहे है, मौत कंफर्म होते ही लगाए नारे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे-45 पर सुआतला थाना क्षेत्र के इंद्रानगर के पास 19 जुलाई को हुई घटना का नरसिंहपुर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जिस घटना को अब तक सड़क हादसा माना जा रहा था, वह सुनियोजित हत्या निकली। मामले में पुलिस ने जबलपुर में स्मार्ट सिटी हास्पिटल के डाक्टर अमित खरे सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं तीन फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह साजिश आपसी रंजिश और कथित ब्लैकमेलिंग से छुटकारा पाने के लिए रची गई थी। आरोपियों का निशाना केवल राजेंद्र पटेल था, लेकिन उसके साथ मौजूद अन्य युवक भी हाईवा की चपेट में आ गए। इस घटना में पांच युवकों की मौत हुई, जबकि एक युवक का जबलपुर में इलाज चल रहा है। जांच में सामने आया कि राजेंद्र पटेल पहले डॉ.

अमित खरे के साथ काम करता था। करीब साल भर पहले दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद राजेंद्र कथित तौर पर फर्जी एमएलसी के मामले में डॉ. खरे को ब्लैकमेल करने लगा। इससे छुटकारा पाने के लिए डॉ. अमित खरे ने अपने मित्र और कथित अवैध रेत कारोबारी आनंद सिंह लोधी से संपर्क किया। दोनों ने ऐसी योजना बनाई कि हत्या सड़क हादसे जैसी लगे। तय हुआ कि हाईवा के पिछले पहिए से कुचलकर राजेंद्र की हत्या की जाएगी।

हाथीनाला घूमने पहुंचे, पहले से घात लगाए थे आरोपी-

19 जुलाई को राजेंद्र पटेल अपने साथियों के साथ नरसिंहपुर के हाथीनाला वाटरफॉल घूमने गया। इसकी सूचना पहले ही आरोपियों तक पहुंच चुकी थी। योजना के मुताबिक आनंद सिंह लोधी हाईवा लेकर पहुंचा। उसके साथ अनुज लोधी भी था। जब राजेंद्र और उसके साथी हाईवे के किनारे सेल्फी ले रहे थे, तभी आरोपियों ने उन पर हाईवा चढ़ा दिया और मौके से फरार हो गए। हादसे में राजेंद्र की मौके पर मौत हो गई। चार अन्य युवकों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घटनास्थल पर हाईवा के मोनोग्राम से टूटा अंग्रेजी का %% अक्षर मिला। यही पुलिस की जांच में अहम सुराग साबित हुआ। पुलिस ने पूरी रात हाईवे पर सर्च अभियान चलाया। करीब सात किलोमीटर दूर खड़े कई हाईवा की जांच की गई। इनमें एक हाईवा के मोनोग्राम से %% अक्षर गायब मिला। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी सबूतों और फोरेंसिक जांच के आधार पर पुलिस जबलपुर जिले के सुंदरदेही, बरपटी और पावला गांव पहुंची। यहां से घटना में इस्तेमाल हाईवा हीरापुर-बंदरोहा के जंगलों से बरामद कर जब्त कर लिया गया।

पहले आरोपी राजा की गिरफ्तारी, साजिश का खुलासा-

पुलिस ने संदेह के आधार पर राजा पटेल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने पूरी साजिश का खुलासा किया। उसने बताया कि उसे और अन्य साथियों को राजेंद्र की गतिविधियों और लोकेशन पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई थी।

मेडिकल कॉलेज के एआरटी सेंटर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, गर्भवती महिलाएं और कर्मचारी बाल-बाल बचे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर स्थित एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (ऋज्ञ) सेंटर में शुक्रवार को शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय सेंटर में एचआईवी जांच एवं उपचार के लिए आए मरीजों के साथ कई गर्भवती महिलाएं भी मौजूद थीं। आग लगते ही सेंटर में अफरा-तफरी मच गई और सभी लोग जान बचाकर बाहर निकल आए। समय रहते आग पर काबू पा लेने से कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक बिजली के उपकरणों से चिंगारियां और धुआं उठने लगा, जिसके बाद आग फैल गई। इस दौरान कुछ चिंगारियां कर्मचारियों पर भी गिरीं, लेकिन उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकलकर

अपनी जान बचाई। कर्मचारियों ने तत्काल आसपास के विभागों से अग्निशमन यंत्र मंगवाकर आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को भी सूचना दी। शुरुआती प्रयासों में ही आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

बताया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज के इस एआरटी सेंटर में प्रतिदिन मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से 150 से अधिक एचआईवी संक्रमित मरीज उपचार और दवाएं लेने पहुंचते हैं। ऐसे में इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र में आग लगने की घटना ने मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना के बाद सेंटर में पदस्थ कर्मचारियों दिलीप पटेल, आशीष मिश्रा, मीराबाई और सुरक्षा गार्ड कुलदीप ने बताया कि भवन लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। दीवारों में लगातार सीलन और नमी रहने के कारण कई बार करंट उतरने जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने घटना को गंभीर मानते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। शॉर्ट सर्किट के कारणों की जांच कराई जा रही है तथा एआरटी सेंटर के लिए अलग और सुरक्षित भवन उपलब्ध कराने के संबंध में उच्च अधिकारियों से चर्चा की जाएगी।

रांझी में इंजीनियरिंग कालेज के हॉस्टल के खंडहर में मिली लाश, मचा हड़कम्प

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रांझी क्षेत्र में स्थित जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शुक्रवार को कॉलेज के पुराने बंद पड़े ओल्ड फिफ्थ (छात्रावास क्रमांक 9) में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही रांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि हॉस्टल नंबर 9 काफी लंबे समय से खाली और जर्जर स्थिति में पड़ा हुआ है। सुनसान होने के कारण अक्सर यहाँ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है। शुक्रवार को जब हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर पर शव देखा गया, तो कॉलेज प्रशासन और छात्रों के बीच हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।

रांझी थाना पुलिस के मुताबिक कॉलेज के प्रिंसिपल द्वारा सूचना भिजवाई गई थी, जिसके बाद हम मौके पर पहुंचे। मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई की जा रही है। अब तक की जांच में ज्ञात हुआ है कि मृतक कोई अज्ञात व्यक्ति है, जो मांगकर खाता-पिता था और यहीं घूमता रहता था। उसका कोई घर-परिवार नहीं है। कलाई पर एक पुराना चोट या नस काटने जैसा निशान दिख रहा है, लेकिन मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी।

जीआरपी जबलपुर ने शातिर चोर को पकड़ा, 3.52 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण बरामद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। रेलवे स्टेशन और चलती ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर करीब 3 लाख 52 हजार 420 रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में भुसावल-कटनी और कटनी-भुसावल पैसेंजर ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार, रेल पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश के निर्देशन और रेल पुलिस उप अधीक्षक अंकिता सुल्पा के मार्गदर्शन में अपराधियों की धरपकड़ और अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के इटारसी एंड पर एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को दिखाई दिया।

राईजर पाइप से हमला कर नाना-पोते से छीने 5 हजार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पाटन के पिपरिया कला में दो युवकों ने एक नाना और पोते पर राईजर पाइप से हमला कर पांच हजार रूपए छीन लिए। मौके पर मारपीट करते हुए बाइक में तोड़फोड़ करते हुए भाग गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों की नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पाटन पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात बजरंग गढ़ निवासी प्रवेश सिंह लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह दानीबाबा पेट्रोल पम्प पिपरिया कला में काम करता है। शुक्रवार शाम लगभग 6-20 बजे वह रिश्ते के नाना प्रताप सिंह लोधी निवासी तारादेही पौड़ी के साथ मोटर सायकल से पिपरिया कला पेट्रोल पम्प जा रहा था। वह मोटर सायकल चला रहा था। नाना पीछे बैठे थे। जैसे ही हम लोग ग्राम माला के आगे पुल के पास पहुँचे। तभी ग्राम पिपरिया के तुलसी लोधी एवं किशनिया लोधी खड़े थे। उसे देखकर मोटर सायकल के आगे मोटर सायकल लगाकर रास्ता रोक लिये। तुलसी लोधी हाथ में राईजर पाईप लिये था। बोला जेब से पैसे निकाल। नहीं तो जान से खत्म कर देंगें उसने पैसे देने से मना किया तो किशनिया ने उसे पकड़ लिया। तुलसी ने राईजर पाईप से मारकर उसके दोनों हाथ की कोहनी में चोटें पहुंचा दी। किशनिया ने उसकी जेब से 5 हजार रूपये निकाल लिये।

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 83 2026-2027 दिनांक 20/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **1. श्रीमती निर्मला श्रीवास्तव, पति स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, 2. श्री नीरज श्रीवास्तव, पिता स्व. श्री एस.के. श्रीवास्तव** भवन न क्रं. 3647 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000427565 जलकर पिन नं. 2432322 **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री एस.के.श्रीवास्तव, पिता स्व. श्री लाल कुमार श्रीवास्तव **वार्ड दीवान आधार सिंह वार्ड** , निर्मित भूतल 1076 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 82 2026-2027 दिनांक 20/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्री राजेन्द्र नामदेव, पिता स्व. श्री शम्भू लाल नामदेव** भवन न क्रं. 4548 का भाग, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000427427 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती गुप्तेश्वरी नामदेव, पति स्व. श्री शम्भू लाल नामदेव, **वार्ड दीवान आधार सिंह वार्ड** , निर्मित भूतल 1638 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 1288 व.फु., **विक्रयपत्र, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/........ दिनांक 24.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री ब्रजेश अग्रवाल, श्री अभिषेक अग्रवाल, पिता स्व. श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, एवं श्रीमती संगीता अग्रवाल, पति श्री अशोक अग्रवाल** ने मकान नं. 11/14 विजय नगर, पिन. नं. 1000421405 **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 2400 व.फु., भूतल 2000 व.फु., प्रथमतल 2000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/ एम 171/ दिनांक 22.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती उमा झारिया, पति श्री आदित्य साहू, एवं श्री आदित्य साहू, पिता श्री राजकुमार साहू** संपत्ति पिन नं. 1004506188, भवन क्रं. 391 , **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड** , भूतल 210 व.फु., **विक्रयपत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम भवन क्रं. 391 , **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड** , पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती मुन्नी बाई झारिया, पति श्री अंतर लाल झारिया के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/116 जबलपुर दिनांक 22.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव, पिता स्व. श्री बाबूलाल श्रीवास्तव** मकान नं. 1631/2 **वार्ड. राजीव गांधी** पिन नं. 1000347878, क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 1000 व.फु., प्रथमतल 785 व.फु., **संलग्न- विक्रयपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/115 जबलपुर दिनांक 22.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री गुलाब दास नामदेव, पिता श्री बेनी प्रसाद नामदेव, 2. श्री विशाल दास नामदेव, पिता- श्री गुलाब दास नामदेव** मकान नं. 1393 पी/ बी **वार्ड. राजीव गांधी** पिन नं. 1000350004, क्षेत्रफल 1800 व.फु., भूतल 1100 व.फु., **संलग्न- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/130 2026-27 दिनांक 24/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000503483,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री खेमचन्द्र पटेल/ श्याम जी पटेल** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती प्रीति अग्रवाल, पति श्री विकल्प अग्रवाल** ने **मकान नं. 341/1 , वार्ड क्र. 14 , नरसिंह वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 1875 व.फु., भूतल 1400 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/127 2026-27 दिनांक 24/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000505568,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती प्रमिला बेन पटेल/ स्व. श्री केशव लाल पटेल** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती प्रीति अग्रवाल, पति श्री विकल्प अग्रवाल** ने **मकान नं. 341/1 ई, वार्ड क्र. 14 , नरसिंह वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 3175 व.फु., भूतल 1600 व.फु., प्रथमतल 1600 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/129 2026-27 दिनांक 24/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **10006020296,** में पंजीकृत भवन स्वामी **कृष्णा गुलाटी** के स्थान पर आवेदक- **श्री राजेश गुलाटी, पिता स्व. श्री बद्रीनाथ गुलाटी** ने **मकान नं. 676, वार्ड क्र. 10 , गुप्तेश्वर वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 2400 व.फु., भूतल 1664 व.फु., **दस्तावेज- समझौता पत्र, (सेटलमेंट डीड), मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, टेक्स रसीद,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/128 2026-27 दिनांक 24/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **100062051,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री रमई लाल यादव, पिता स्व. श्री दादी लाल यादव** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती परमी बाई यादव, पति स्व. श्री रमई लाल यादव, श्रीकांत यादव, दिनेश यादव, सविता यादव, कौशल यादव, शिखा यादव सभी के पिता स्व. श्री रमई लाल यादव** ने **मकान नं. 1310/बी-1, वार्ड क्र. 10 , गुप्तेश्वर वार्ड,** भूखण्ड 600 व.फु., भूतल 600 व.फु., प्रथमतल 600 व.फु. , **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र,,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -122 दिनांक 02.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज- श्री असलम शाह, पिता- मोहम्मद मुस्ताकीम,** ने मकान नं. 2451/58 ए सम्पत्ति पिन नं. 2000286016 **वार्ड रानी दुर्गावती-17 वार्ड ,** भूतल 420 व.फु., **शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -248 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री राजीव यादव, पिता श्री कन्हैया लाल यादव** ने मकान नं. 1670/बी , सम्पत्ति पिन नं. 1000625820 **वार्ड कमला नेहरू-19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1050 व.फु. भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु.,, द्वितीयतल 700 व.फु., तृतीयतल 400 व.फु., **त्यागपत्र, खसरा पी-1, पी-2** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -247 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती आयशा जैन, पति श्री अंशुल जैन** ने मकान नं. 588/1 , सम्पत्ति पिन नं. 1000623360 **वार्ड कमला नेहरू-19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1013 व.फु. भूतल 850 व.फु., प्रथमतल 850 व.फु.,, द्वितीयतल 850 व.फु., तृतीयतल 850 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -246 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती अर्पिता जैन, पति श्री अरविन्द जैन** ने मकान नं. 588/2 , सम्पत्ति पिन नं. 1000626016 **वार्ड कमला नेहरू-19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1013 व.फु. भूतल 850 व.फु., प्रथमतल 850 व.फु.,, द्वितीयतल 850 व.फु., तृतीयतल 850 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -245 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री अभिषेक पोटदार, पिता श्री महेन्द्र पोटदार,** ने मकान नं. 2127/ ए 8, सम्पत्ति पिन नं. 9000245174 **वार्ड मदन महल- 15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1890 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -244 दिनांक 24.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री पलाश जैन, पिता स्व. श्री मनोज जैन** ने मकान नं. 06, सम्पत्ति पिन नं. 1000605743 **वार्ड विवेकानंद-21 वार्ड ,** भूतल 242 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096